शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 166 | गुवाहाटी | गुरुवार, 16 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भ्रामक विज्ञापनों पर कार्रवाई में फेल रहने पर राज्यों ... पेज 2
बरपेटा में भोगाली बिहू : सत्रीया परंपरा का अनूठा समन्वय पेज 3
हिंदू आचार संहिता का पालन करें सभी हिंदू : अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पेज 5
इंग्लैंड लायंस के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए की कप्तानी करेंगे जैक एडवर्ड्स पेज 7

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जो अपने कर्तव्यों से बचते हैं, वे अपने आश्रितों परिजनों का भरण-पोषण नहीं कर पाते।

– आचार्य चाणक्य

महाकुंभ शुरू, पहले दिन 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डूबकी

प्रयागराज। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक पर्व महाकुंभ का आयोजन इस बार संगम नगरी प्रयागराज में हो रहा है। करोड़ों साल पहले कुंभ से गिरे अमृत की तलाश में श्रद्धालुओं का रैला गंगा-यमुना और अदृश्य सरस्वती के किनारे खिंचा चला आ रहा है। मकर संक्रांति के दिन यानि मंगलवार के दिन 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। यह आंकड़ा वाकई में हैरान कर देने वाला है। क्योंकि दुनिया के 234 देशों में सिर्फ 45 की ही आबादी 3.4 करोड़ से अधिक है। यानि 189 देशों में जितनी आबादी नहीं, उससे कहीं ज्यादा की भीड़ संगम नगरी में स्नान की खातिर पहुंची। यही तो भगवान के प्रति लोगों की सच्ची आस्था को दर्शाता है। मकर संक्रांति के दिन श्रद्धालुओं ने जैसे ही गंगा में डुबकी लगाई, त्रिवेणी संगम की बूंदें ऐसे छलक उठीं मानो कुंभ से अमृत छलक उठा हो। मंगलवार को महाकुंभ में विभिन्न अखाड़ों के साधुओं ने पहला *अमृत स्नान* किया। इस अवसर पर त्रिवेणी संगम पर लोगों का सैलाब उमड़ पड़ था। महाकुंभ में अधिकांश अखाड़ों का नेतृत्व राख से लिपटे नागा साधु कर रहे थे, जिन्होंने अपने अनुशासन और पारंपरिक हथियारों की महारत से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि भाले और तलवारों को कुशलता से चलाने से -शेष पृष्ठ दो पर

विदेशी मीडिया ने जमकर बांधे तारीफों के पुल

नई दिल्ली। प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में महाकुंभ 2025 का शुभारंभ हो चुका है। यह ऐतिहासिक आयोजन करीब डेढ़ महीने तक चलेगा और इसमें 40 करोड़ श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज में महाकुंभ की विशालता और भव्यता ने न केवल देश में, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी खूब सुर्खियां बटोरी हैं। पूरी दुनिया महाकुंभ मेले के कुक्षल प्रबंधन का श्रेय मोदी और योगी सरकार को दे रही है। पाकिस्तान, अमेरिका, रूस, ब्रिटेन और कतर समेत कई देशों के मीडिया में महाकुंभ की कवरेज प्रमुखता से की जा रही है। गंगा, यमुना और सरस्वती के पावन संगम पर आस्था की डुबकी लगाने दुनियाभर से लोग पहुंच रहे हैं। 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा से शुरू हुआ यह आयोजन 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन संपन्न होगा। पाकिस्तान के प्रमुख अंग्रेजी अखबार द *एक्सप्रेस ट्रिब्यून* ने लिखा है कि दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक जमावड़ा महाकुंभ मेला शुरू हो चुका है, -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बांग्लादेश एससी ने पूर्व पीएम खालिदा जिया को किया बरी

ढाका। बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष खालिदा जिया को भ्रष्टाचार के एक मामले में बरी कर दिया तथा उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें दी गई 10 वर्ष की जेल की सजा को पलट दिया। खबरों के अनुसार, उच्च न्यायालय के फैसले के -शेष पृष्ठ दो पर

भागवत की *सच्ची आजादी* वाले बयान पर भड़के राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को संघ प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें भागवत ने कहा था कि भारत को असली आजादी राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद मिली। राहुल ने इसे देशद्रोह और भारतीयों का अपमान बताया। वह कोटला मार्ग स्थित कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन में पहुंचे थे। यहां पार्टी नेताओं को संबेधित करते हुए उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में अल्फा नेता परेश बरुआ को बड़ी राहत

पहले मौत की सजा रद्द, अब आजीवन कारावास घटाकर किया 14 साल

ढाका। बांग्लादेश हाईकोर्ट ने अल्फा नेता परेश बरुआ को लेकर बुधवार को अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने उनके आजीवन कारावास की सजा को घटाकर 14 साल कर दिया है। इससे पहले कोर्ट ने उनकी मौत की सजा को रद्द कर दिया था और उसे आजीवन कारावास में बदल दिया था। बता दें कि असम के यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट के सैन्य कमांडर बरुआ भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल हैं। उनके बारे में कहा जाता है कि वह फिलहाल चीन में रह रहे हैं और उनकी अनुपस्थिति में बांग्लादेश हाईकोर्ट ने मौत की सजा सुनाई थी। बुधवार को बांग्लादेश उच्च न्यायालय ने दो दशक पहले असम में अलगाववादी समूह के ठिकानों पर हथियारों से भरे ट्रकों की तस्करी करने के प्रयास के सिलसिले में अल्फा नेता परेश बरुआ की आजीवन कारावास की सजा को घटाकर 14 वर्ष कारावास में बदल दिया है। अटॉर्नी जनरल ब्यूरो के एक अधिकारी ने बुधवार कोर्ट के फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि दो न्यायाधीशों की पीठ ने बरुआ और चार बांग्लादेशियों की आजीवन कारावास की सजा को कम कर दिया। उच्च न्यायालय ने मंगलवार को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के पूर्व गृह राज्य मंत्री लुत्फुज्जमां बाबर और पांच अन्य को बरी कर दिया, जिन्हें इसी मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। अदालत ने बरुआ सहित पांच अन्य दोषियों की जेल की सजा भी कम कर दी। पीठ ने अन्य तीन आरोपियों की अपील को भी समाप्त घोषित कर दिया, क्योंकि उनकी मृत्यु हो गई थी। अप्रैल 2004 में ट्रक भर हथियार जब्त किए गए थे, जिन्हें चटगांव के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत में अल्फा के ठिकानों पर ले जाया जा रहा था। जब्त किए गए हथियारों में 27,000 से अधिक ग्रेनेड, 150 रॉकेट लांचर, 11 लाख से अधिक गोला-बारूद, 1,100 सब मशीन गन और 11.41 मिलियन गोलियां शामिल थीं। आग्नेयास्त्रों की तस्करी के लिए विशेष अधिकार अधिनियम -शेष पृष्ठ दो पर

एडवांटेज असम 2.0 से पहले असम ने दुबई में निवेश की संभावना प्रदर्शित की

गुवाहाटी। अपनी वैश्विक पहुंच पहल के हिस्से के रूप में, उद्योग मंत्री बिमल बोरा के नेतृत्व में असम के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने 25-26 फरवरी को गुवाहाटी में होने वाले एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन से पहले अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित करने के लिए दुबई में एक रणनीतिक रोड शो आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान, बोरा ने व्यवसाय के नेताओं, निवेशकों और उद्यमियों के साथ बातचीत की और असम के बढ़ते बुनियादी ढांचे और निवेश के अवसरों को प्रदर्शित किया। जोगीघोपा मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क जैसी प्रमुख परियोजनाओं को परिवर्तनकारी पहल के रूप में प्रस्तुत किया गया, जो असम को भारत के पूर्वोत्तर के -शेष पृष्ठ दो पर

असम में बनेगा विमान विखंडन केंद्र : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य में अत्याधुनिक विमान विखंडन सुविधा जल्द ही स्थापित की जाएगी, जिससे यह विमानन रीसाइक्लिंग और रखरखाव के लिए वैश्विक केंद्र बन जाएगा। यह घोषणा असम के पांडु में आयोजित मेधावी छात्रों के सम्मान समारोह के दौरान की गई। उन्होंने बताया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए विमानन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी बोइंग के साथ चर्चा -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस में सभी फैसले गांधी परिवार के घर पर लिए जाते हैं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार पर एक बार फिर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस में सभी निर्णय गांधी परिवार के घर पर लिए जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा नै आज दोपहर लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे कै पास भाजपा की हवाई अड्डा मंडल इकाई कै कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। मुख्यमंत्री शर्मा ने स्थानीय लोगों से भी बातचीत की और उन्हें -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव नियमों में हुए बदलाव पर एससी सख्त केंद्र और चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश की याचिका पर केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को नोटिस जारी किया है। याचिका में 1961 की चुनाव संचालन नियमावली में हाल के संशोधनों को चुनौती दी गई है, जिनके तहत सीसीटीवी फुटेज और अन्य चुनावी दस्तावेजों की सार्वजनिक पहुंच पर रोक लगाई गई है। बुधवार को मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र और ईसीआई को अगली सुनवाई की तारीख से पहले जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए गए। कांग्रेस नेता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि यह संशोधन चतुराई से किया गया है ताकि चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को प्रभावित किया जा सके। सिंघवी ने तर्क दिया कि सीसीटीवी फुटेज तक पहुंच पर प्रतिबंध से मतदाता की पहचान उजागर होने -शेष पृष्ठ दो पर

भारत जल्द 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल करेगा : गडकरी

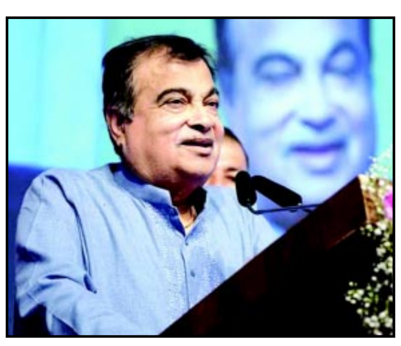

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि भारत अगले दो महीनों में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का अपना लक्ष्य हासिल कर लेगा। पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की प्रथा 2001 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुई थी। उन्होंने बताया कि ई-20 के उपयोग से प्रदुषण कर करने में मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी और हुंडई -शेष पृष्ठ दो पर

कनाडा खुफिया एजेंसी का खुलासा

निज्जर हत्या में भारत की कोई साजिश नहीं, असली गुनहगार चीन

नई दिल्ली। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या ने कनाडा और भारत के रिश्तों में गहरा तनाव पैदा कर दिया। हत्या के तुरंत बाद भारत पर आरोप लगाए गए, लेकिन कनाडा की खुफिया एजेंसी सीएसआईएस ने शुरुआती जांच में भारत की संलिप्तता का कोई प्रमाण नहीं पाया। इसके बावजूद खालिस्तानी गुटों ने इसे भारत विरोधी प्रोपगैंडा का हिस्सा बनाते हुए पूरी दुनिया में प्रचारित किया। 2023 में भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी और वैश्विक नेतृत्व दिखाकर अपनी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को मजबूत किया था। वहीं, कनाडा के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर चल रही चर्चा खालिस्तानी गुटों को परेशान कर रही थी। इस घटना ने भारत की छवि को नुकसान -शेष पृष्ठ दो पर

बेंगलुरु की स्टार्टअप कंपनी ने लॉन्च की पहली भारतीय कमर्शियल सैटेलाइट

नई दिल्ली। बेंगलुरु की स्टार्टअप कंपनी दिगंतारा ने बड़ा कारमाना कर दिखाया है। दिगंतारा की प्राइवेट सैटेलाइट को अंतरिक्ष में लॉन्च कर दिया गया। वहीं, इस सैटेलाइट को स्पेस में प्रक्षेपित भी कर दिया गया है। यह भारत की पहली प्राइवेट कंपनी की सैटेलाइट है, जिसे स्पेस में प्रक्षेपति किया गया है। दिगंतरा का स्पेस कैमरा फॉर ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग (एमसीओटी), पांच सेंटीमीटर जितनी छोटी वस्तुओं को ट्रैक करने में सक्षम होगा। कैलिफोर्निया के वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से स्पेसएक्स फॉल्कन-9 रॉकेट से सैटेलाइट को स्पेस में प्रक्षेपित किया गया। अंतरिक्ष यान की सुरक्षा सुनिश्चित करने -शेष पृष्ठ दो पर

इस्कॉन से प्रेरणा लेकर सरकार देशवासियों के कल्याण के लिए सेवा भाव से काम कर रही : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नवी मुंबई के खारघर में इस्कॉन की परियोजना श्री श्री राधा मदनमोहनजी मंदिर का उद्घाटन किया और संगठन की सेवा भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस्कॉन से प्रेरणा लेकर उनकी सरकार देशवासियों के कल्याण के लिए इसी सेवा भावना के साथ निरंतर काम कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सेवा की यह भावना सच्चा सामाजिक न्याय लाती है और सच्ची धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर घर में शौचालय बनाना, उज्ज्वला योजना के तहत गरीब महिलाओं को गैस कनेक्शन देना, हर घर में नल का पानी पहुंचाना, हर गरीब व्यक्ति को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज देना, 70 वर्ष से अधिक उम्र के हर बुजुर्ग को यह सुविधा देना और हर बेघर व्यक्ति को पक्का घर देना, ये सभी कार्य इसी सेवा भावना से प्रेरित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक संस्कृति का आधार सेवा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आध्यात्मिकता में, ईश्वर की सेवा और लोगों की सेवा एक हो जाती -शेष पृष्ठ दो पर

लौट आई जिंदगी

मोर्चरी में अचानक हिलने लगी *मृत* व्यक्ति की उंगलियां, सभी हैरान

तिरुवनंतपुरम। उत्तर केरल में एक मृत बुजुर्ग की सांसें मुर्दाघर ले जाने से पहले ही चलने लगीं। इसके बाद उनके परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। दरअसल, मंगलुरु के एक निजी अस्पातल से 67 वर्षीय पवित्रन का परिवार उनके शव को सोमवार रात लेकर कन्नूर आया था। शव को अस्थाई तौर पर रखने के लिए कन्नूर के एकेजी मेमोरियल को-ऑपरेटिव अस्पताल के मुर्दाघर में फ्रीजर तैयार किया गया था। इस दौरान उनके घर पर मंगलवार को होने वाले उनके अंतिम संस्कार की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन उन्होंने जीवित होकर सबको चौंका दिया। स्थानीय अखबारों ने मंगलवार को पवित्रन का शोक -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भ्रामक विज्ञापनों पर कार्रवाई में फेल रहने पर राज्यों को सुप्रीम फटकार, अवमानना की चेतावनी दी

नई दिल्ली। भ्रामक विज्ञापनों और चिकित्सा दावों को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त है। शीर्ष कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापनों और चिकित्सा दावों के खिलाफ कार्रवाई में फेल साबित होने वाले राज्यों को शीर्ष कोर्ट ने फटकार लगाई है। साथ ही ऐसे राज्यों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की चेतावनी भी दी है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष आरवी अशोकन को बड़ी राहत भी दी है। अदालत ने साक्षात्कार में शीर्ष अदालत पर टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ शुरू की गई अवमानना कार्यवाही को बंद कर दिया है। पीठ ने पूर्व आईएमए अध्यक्ष के हलफनामे के साथ दी गई माफी को स्वीकार कर लिया और निर्णय लिया कि आगे कोई कार्रवाई आवश्यक नहीं है। जस्टिस अभय ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि हम यह स्पष्ट करते हैं कि किसी भी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की ओर से गैर-अनुपालन पाए जाने पर संबंधित राज्यों के खिलाफ अदालत की अवमानना अधिनियम, 1971 के तहत कार्यवाही शुरू करनी पड़ सकती है। पीठ आधुनिक (एलोपैथिक) चिकित्सा को टारगेट करने वाले भ्रामक दावों और विज्ञापनों के संबंध में भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पिछले वर्ष मई में शीर्ष अदालत ने सभी राज्य सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया था कि वे अपने लाइसेंसिंग अथॉरिटी के हलफनामे दाखिल करें, जिसमें ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954, ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 का उल्लंघन करने वाले भ्रामक विज्ञापनों के संबंध में 2018 से उनके द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में बताया जाए। 30 जुलाई, 2024 को अदालत ने सभी राज्य सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया था कि वे कानून के अनुपालन के लिए दंड और निवारक लगाने में अपनी निष्क्रियता के बारे में बताएं। न्याय मित्र वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फरासत ने बुधवार को सुनवाई के दौरान इस बात पर प्रकाश डाला कि ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 की धारा 3 और 4 के तहत उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ अभियोजन ही एकमात्र उपाय है। हालांकि राज्यों के हलफनामों से पता चलता है कि प्रवर्तन में कमी है और कोई अभियोजन नहीं चलाया जा रहा है। जस्टिस ओका ने कहा कि दिल्ली सरकार का यह स्पष्टीकरण कि अपराधियों की पहचान करना चुनौतीपूर्ण है, अजीबोगरीब है। गोवा के वकील को संबोधित करते हुए जस्टिस ओका ने पूछा कि प्राप्त शिकायतों के आधार पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। इसी तरह कोर्ट ने कर्नाटक से 25 अज्ञात अपराधियों की पहचान करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में स्पष्टीकरण न देने पर सवाल किया। उन्होंने कहा कि पांडिचेरी में शिकायतें होने के बावजूद कार्रवाई नहीं की जाती है।

पीएम ने एनडीए विधायकों को भ्रष्टाचार से दूर रहने की नसीहत दी

मुंबई (हि.स.)। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को मुंबई दौरे में महाराष्ट्र के एनडीए विधायकों को भ्रष्टाचार से दूर रहने की नसीहत दी है। साथ ही नियमित योगा करने, परिवार को समय देने और जिसने वोट नहीं दिया, उससे भी स्नेह संबंध रखने का टिप्स दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने व्यस्ततम मुंबई दौरे में से समय निकालकर महाराष्ट्र में एनडीए के नवनिर्वाचित विधायकों के साथ भोजन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार समेत भाजपा, शिंदे समूह की शिवसेना और अजीत पवार की राकांपा के विधायक उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने विधायकों से कहा कि वे तबादला, दलाली जैसी गतिविधियों से अपने आपको दूर रखें। अपने क्षेत्र का काम करवाते समय अधिकारियों से हमेशा इज्जत देकर बात करें। जिसने वोट नहीं दिया है, उससे भी मधुर संबंध बनाएं। अपने क्षेत्र में धार्मिक कार्यों का प्रमुखता से आयोजन करवाएं। विधान परिषद सदस्य को किसी भी क्षेत्र को गोद लेकर काम करें, जिससे उस क्षेत्र में उनकी पहचान बन सकें। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजनीतिक और सामाजिक जीवन में काम करते हुए अपने स्वास्थ्य पर भी ध्यान दीजिए। इसके लिए हर साल अपना मेडिकल चेकअप करवाएं। घर पर पत्नी, बेटी और मां पर विशेष ध्यान दें। योग या इसी तरह के अन्य व्यायाम करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे स्वयं प्रतिदिन सुबह जल्दी उठते हैं और योग करते हैं।

नशे के खिलाफ कार्रवाई जारी कछार पुलिस की बड़ी सफलता

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने नशे के खिलाफ जारी अभियान को लेकर आज जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि कछार पुलिस ने दो अभियानों में बड़ी सफलता हासिल की। पहले अभियान में सिलचर बाईपास से 60 लाख रुपए मूल्य की 88 ग्राम हेरोइन बरामद की गई और दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। दूसरे अभियान में सोनाई से तीन करोड़ रुपए मूल्य की 9000 याबा टेबलेट बरामद की गई और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस दोनों ही मामलों में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई जारी रखे हुए है।

धुबड़ी पुलिस ने सेवानिवृत्त कर्मियों को किया सम्मानित

धुबड़ी (हिंस)। माघ बिहू के शुभ अवसर पर धुबड़ी पुलिस ने पुलिस रिजर्व में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त कर्मियों को सम्मानित किया। इस मौके पर उन्हें पारंपरिक असमिया गमछा भेंट कर उनकी सेवा के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

पन्नू प्रकरण में गठित उच्च स्तरीय जांच समिति ने सरकार को रिपोर्ट सौंपी

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्रालय ने अमेरिका की एक अदालत में दाखिल खालिस्तानी आतंकवादी गुरुपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश में एक भारतीय नागरिक के खिलाफ दायर आरोप पत्र को गंभीर मामला बताया है। विदेश मंत्रालय की ओर से स्पष्ट किया गया है कि यह भारत की नीति नहीं है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में न्यूयार्क की अदालत में एक भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के खिलाफ खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू की हत्या के लिए भाड़े के हत्यारे के जरिए हत्या कराने की साजिश करने का आरोप लगाया गया है। भारत सरकार के एक अधिकारी पर भी हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को एक पत्रकार वार्ता में कहा कि एक व्यक्ति (निखिल गुप्ता) के खिलाफ अमेरिकी अदालत में दायर मामले को कथित तौर पर एक भारतीय अधिकारी से जोड़ा गया है। यह चिंता का विषय है। हमने कहा है और दोहराना चाहते हैं कि यह सरकार की नीति के भी विपरीत है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संगठित अपराध, मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी और उग्रवादियों के बीच सांठगांठ भी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। यही कारण है कि मामले की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। इसके नतीजों के आधार पर आगे कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह के सुरक्षा मामलों से जुड़ी ओर सूचनाओं को साझा नहीं किया जा सकता। भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को अमेरिका की सूचना पर चेक गणराज्य में गत 30 जून को गिरफ्तार किया था।

भारतीय सेना दिवस पर सीएम ने दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भारतीय सेना दिवस पर सैनिकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जैतून हरे रंग की वर्दी पहनने वाले वीरों को नमन। मां भारती के प्रति आपकी सेवा और समर्पण को सलाम। आपके बलिदान को एक आभारी राष्ट्र सदैव याद रखेगा।

पृष्ठ एक का शेष

महाकुंभ शुरू, पहले ...

लेकर जोश के साथ *डमरू* बजाने तक, उनके प्रदर्शन सदियों पुरानी परंपराओं का जीवंत उत्सव थे। महाकुंभ में पुरुष नागा साधुओं के अलावा महिला नागा तपस्वी भी बड़ी संख्या में मौजूद थीं। महाकुंभ का पहला बड़ा स्नान सोमवार को *पौष पूर्णिमा* के अवसर पर हुआ, जबकि अखाड़ों या हिंदू मठों के सदस्यों ने मकर संक्रांति पर अपना पहला स्नान किया। श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी और श्री शंभू पंचायती अटल अखाड़ा ने सबसे पहले *अमृत स्नान* किया। महाकुंभ में तेरह अखाड़े भाग ले रहे हैं। अमृत स्नान के दौरान श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से गुलाब की पंखुड़ियां बरसाई गईं। महानिर्वाणी अखाड़े के महामंडलेश्वर चेतनगिरी महाराज ने कहा कि प्रयागराज में हर 12 साल में पूर्ण कुंभ का आयोजन होता है, लेकिन 12 पूर्ण कुंभ के बाद 144 साल में एक बार महाकुंभ होता है। इस पवित्र आयोजन में भाग लेना श्रद्धालुओं के लिए एक दुर्लभ आशीर्वाद है। महानिर्वाणी अखाड़े के 68 महामंडलेश्वर और हजारों साधुओं ने अमृत स्नान में भाग लिया। निरंजनी अखाड़े के 35 महामंडलेश्वर और हजारों नागा साधुओं ने अमृत स्नान में भाग लिया। इसके अलावा जूना अखाड़ा, आवाहन अखाड़ा और पंचाग्नि अखाड़े के हजारों संतों ने भी अमृत स्नान किया। किन्नर अखाड़े के सदस्यों ने भी जूना अखाड़े के साथ पवित्र डुबकी लगाई, जिसका नेतृत्व आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने किया, जो एक भव्य रथ में घाट पर पहुंचे, उनके पीछे नागा साधुओं का समूह था। भाले और त्रिशूल लेकर नागा साधु अपने शरीर पर राख लपेटे हुए, कुछ घुड़सवार घोड़ों के साथ एक जुलूस में शाही स्नान के लिए आगे बढ़े। जटाओं में फूल, गले में माला और हाथ में त्रिशूल लेकर उन्होंने महाकुंभ की आध्यात्मिक भव्यता में चार चांद लगा दिए।

विदेशी मीडिया ने ...

जिसमें करोड़ों भक्त संगम तट पर डुबकी लगाकर पवित्रता की अनुभूति करेंगे। यह आयोजन हिंदू एकता और भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। *डॉन* अखबार ने लिखा कि यह महाकुंभ ऐतिहासिक है क्योंकि ऐसा आयोजन 144 साल बाद हो रहा है। यह मेला भारत की हिंदू राष्ट्रवादी सरकार के लिए भी अपनी छवि मजबूत करने का अवसर है। *सीएनएन* ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि महाकुंभ में 40 करोड़ लोगों के आने की उम्मीद है, जो अमेरिका और कनाडा की संयुक्त आबादी के बराबर है। यह आयोजन भारतीय संस्कृति और अध्यात्म की महत्ता को प्रदर्शित करता है। *एबीसी न्यूज* ने महाकुंभ को *मानवता का सबसे बड़ा जमावड़ा* बताते हुए नागा साधुओं और उनकी परंपराओं का विशेष उल्लेख किया है। *रॉयटर्स और द गार्डियन* जैसे ब्रिटिश मीडिया ने महाकुंभ के भव्य दृश्यों और श्रद्धालुओं की भावनाओं पर केंद्रित रिपोर्ट प्रकाशित की हैं। रूस के *आरटी वर्ल्ड* ने इसे *मानवता का सबसे बड़ा आध्यात्मिक उत्सव* बताते हुए आयोजन की व्यवस्थाओं की सराहना की। *खलीज टाइम्स* और *गल्फ न्यूज* ने महाकुंभ की व्यवस्थाओं, टेंट सिटी और सुरक्षा उपायों पर विशेष रिपोर्ट प्रकाशित की है। *अल जजीरा* ने इसे *भारत की आस्था और संस्कृति का भव्य उत्सव* बताते हुए टेंट सिटी और एआई-युक्त सुरक्षा उपायों की प्रशंसा की। महाकुंभ 2025 के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने 150,000 टेंट, 11 अस्पताल और 3,000 रसोई की व्यवस्था की है। 50,000 सुरक्षाकर्मी और 2,500 एआई-चालित कैमरे भीड़ प्रबंधन में तैनात किए गए हैं। साथ ही, भारतीय रेलवे ने 98 विशेष ट्रेनें चलाई हैं। महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति और प्रबंधन क्षमता का प्रतीक है। दुनियाभर के मीडिया में इस आयोजन की कवरेज यह दर्शाती है कि महाकुंभ न केवल आस्था का पर्व है, बल्कि भारत की वैश्विक पहचान का प्रतीक भी है।

एडवांटेज असम 2.0...

लिए एक महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स और व्यापार केंद्र के रूप में स्थापित कर रही हैं। मंत्री ने पड़ोसी देशों और दक्षिण पूर्व एशिया के साथ व्यापारिक संबंधों के लिए राज्य की रणनीतिक स्थिति, कुशल माल परिवहन के लिए बेहतर अंतर्देशीय जलमार्ग, तथा पर्यटन विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य पर जोर दिया। बोरा ने राज्य की अनूठी खूबियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि असम अभूतपूर्व विकास के शिखर पर है, जो पारंपरिक उद्योगों से लेकर अत्याधुनिक तकनीक तक सभी क्षेत्रों में अद्वितीय अवसर प्रदान करता है। इनमें सात राष्ट्रीय उद्यान, तीन यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, भारत के तटवर्ती प्राकृतिक गैस उत्पादन में 50 प्रतिशत योगदान और प्रीमियम सुगंधों के लिए भारत के अगरवुड उत्पादन में 97 प्रतिशत हिस्सेदारी शामिल है। विशेष सचिव सैयदैन अब्बासी ने असम के महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण को रेखांकित किया कि 2030 तक इसकी जीडीपी 69 बिलियन डॉलर से दोगुनी होकर 138 बिलियन डॉलर हो जाएगी, जिसे 12.6 प्रतिशत की दशक भर की विकास दर से समर्थन मिलेगा। 12 बिलियन डॉलर मूल्य की चल रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में ब्रह्मपुत्र नदी पर चार प्रमुख पुल और जोगीघोपा में 3 बिलियन डॉलर की टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स सेमीकंडक्टर असेंबली इकाई शामिल है। अब्बासी ने असम में भारत के पहले अंतर्राष्ट्रीय मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क को भी रेखांकित किया, जो डाउनस्ट्रीम उद्योगों और व्यापार विस्तार के लिए आधारशिला है। दुबई में भारतीय महावाणिज्यदूत सतीश कुमार सिवन ने असम की पहुंच के महत्व को रेखांकित किया, क्योंकि भारत-यूएई व्यापार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने वाला है। उन्होंने बताया कि भारत में यूएई का निवेश 18 बिलियन डॉलर को पार कर गया है, जो एक अद्यतन द्विपक्षीय निवेश संधि से प्रेरित है। प्रतिनिधिमंडल ने साझेदारी की संभावनाओं को तलाशने के लिए डीपी वर्ल्ड, भारत मार्ट, ट्रांसवर्ल्ड और मेदान फ्री जोन जैसे यूएई के व्यापारिक केंद्रों का दौरा किया। एशियाई विकास बैंक द्वारा समर्थित 1,000 मेगावाट के सौर पार्क और 20 नए मेडिकल कॉलेजों के साथ असम के स्वास्थ्य सेवा नेटवर्क का विस्तार करने की योजना सहित अक्षय ऊर्जा पहलों का भी प्रदर्शन किया गया। दुबई रोड शो असम की अंतर्राष्ट्रीय निवेश रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो राज्य के आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक जुड़ाव को गति देने के लिए एडवांटेज असम 2.0 के लिए मंच तैयार करता है।

पहले मौत की सजा ...

1974 के तहत एक मामला दर्ज किया गया था और दूसरा हथियार रखने के लिए शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। इससे पहले बरुआ और चार अन्य को दोनों मामलों में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। नवीनतम फैसले में, पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष मामले में उल्लिखित आग्नेयास्त्रों के वास्तविक नियंत्रण और कब्जे के बारे में सभी आरोपियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों को साबित नहीं कर सका। आपराधिक मामलों में दोषसिद्धि और सजा विश्वसनीय सबूतों के बिना नहीं दी जा सकती।

असम में बनेगा ...

चल रही है। यदि यह सफल रहा, तो यह सुविधा दुनिया भर के बोइंग विमानों के लिए विघटन कार्यों को संभालेगी, जो राज्य की औद्योगिक यात्रा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। यह पहल औद्योगिक निवेश और अभिनव परियोजनाओं के लिए एक आशाजनक गंतव्य के रूप में राज्य की बढ़ती प्रतिष्ठा के अनुरूप है। यह प्रस्ताव उच्च मूल्य वाले उद्योगों को आकर्षित करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के असम के व्यापक प्रयासों के बीच आया है। हाल के वर्षों में, राज्य ने निवेशक-अनुकूल नीतियों और बुनियादी ढांचे के विकास को लागू किया है, जिससे यह वैश्विक उद्यमों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन गया है। शर्मा ने कहा कि स्थानीय बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से, राज्य में अगले 30-40 दिनों के भीतर सौर ऊर्जा समाधान पेश किए जाने की उम्मीद है। इस कदम से क्षेत्र की ऊर्जा विश्वसनीयता और स्थिरता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे निवासियों को बहुत जरूरी राहत मिलेगी। इन पहलों के साथ, असम एक वैश्विक औद्योगिक केंद्र और स्थानीय विकास के एक मॉडल के रूप में उभरने के लिए तैयार है, जो राज्य के लिए विकास और अवसर के एक नए युग का संकेत देगा।

कांग्रेस में सभी ...

उनकी समस्याओं और चिंताओं पर गौर करने तथा उन्हें शीघ्र हल करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री शर्मा ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि सरकार आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं के सामने आने वाली समस्याओं और शिकायतों पर विचार करने के लिए एक कैबिनेट समिति का गठन करेगी। कैबिनेट समिति आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं से बातचीत करने के बाद सरकार को एक रिपोर्ट पेश करेगी जिसमें सुधारात्मक उपाय सुझाए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार कल मोरीगांव मैं होने वाली कैबिनैट बैठक के दौरान मोरीगांव के लिए विशेष पैकेज की घोषणा करेगी।

चुनाव नियमों में ...

का दावा किया गया है, जो सही नहीं है। उन्होंने कहा कि मतदान के विकल्प या मतों की गोपनीयता किसी भी तरह से सीसीटीवी फुटेज से उजागर नहीं होती। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि केंद्र और ईसीआई को समय पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया जाए। जयराम रमेश ने अपनी याचिका में दावा किया कि चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता तेजी से घट रही है और इस संशोधन से यह और प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि ईसीआई जैसे संवैधानिक निकाय को बिना सार्वजनिक परामर्श के ऐसे महत्वपूर्ण कानूनों में बदलाव करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। रमेश ने यह भी कहा कि यह संशोधन चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने वाले आवश्यक दस्तावेजों तक जनता की पहुंच को बाधित करता है। केंद्रीय कानून मंत्रालय ने ईसीआई की सिफारिश पर दिसंबर 2023 में नियम 93(2)(ए) में संशोधन किया, जिससे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों, जैसे कि सीसीटीवी फुटेज, *वेबकास्टिंग,* और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग की सार्वजनिक जांच पर रोक लगाई गई। सरकार का तर्क है कि यह कदम इन दस्तावेजों के दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया गया है। सुप्रीम कोर्ट इस याचिका पर 17 मार्च से शुरू होने वाले सप्ताह में सुनवाई करेगा।

भारत जल्द 20 ...

मोटर्स ने ऐसे वाहनों का निर्माण शुरू कर दिया है जो 100 प्रतिशत बायो-एथेनॉल पर चलते हैं। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि हम अगले दो महीनों में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण (ई-20) के इस लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। ई-20 के उपयोग से प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी। इस देश में प्रदुषण एक गंभीर मुद्दा है, क्योंकि दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 42 भारतीय शहर शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम 22 लाख करोड़ रुपए का जीवाश्म ईंधन आयात करते हैं, जिससे प्रदूषण भी हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2023 में 20 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल लॉन्च किया था। पहले चरण में 15 शहरों को कवर किया गया है। गन्ने के साथ साथ टूटे हुए चावल और अन्य कृषि उपज से निकाले गए इथेनॉल के उपयोग से भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता को विदेशी शिपमेंट पर अपनी निर्भरता कम करने में मदद मिलेगा। भारत अपनी तेल जरूरतों को पूरा करने के लिए 85 प्रतिशत आयात पर निर्भर है। ई-20 के उपयोग से ई0 (साफ पेट्रोल) की तुलना में दोपहिया वाहनों में कार्बन मोनोऑक्साइड उत्सर्जन में लगभग 50 प्रतिशत और चार पहिया वाहनों में लगभग 30 फीसदी की कमी आती है। औसत 10 प्रतिशत मिश्रण प्राप्त करने का लक्ष्य नवंबर 2022 की लक्ष्य तिथि से काफी पहले जून 2022 में हासिल किया गया था।

निज्जर हत्या में ...

पहुंचाया और दोनों देशों के रिश्तों को प्रभावित किया। हरदीप सिंह निज्जर, एक घोषित आतंकवादी और खालिस्तानी समर्थक नेता की हत्या ने कनाडा और भारत के संबंधों में तनाव ला दिया। हत्या के बाद भारत पर उंगली उठाने वाले आरोपों, खालिस्तानी गुटों की प्रोपगैंडा रणनीतियों, और अंतर्राष्ट्रीय समीकरणों ने इस घटना को और पेचीदा बना दिया। लेकिन असली सवाल अब भी बरकरार है कि निज्जर की हत्या से किसे फायदा हुआ? हत्या के तुरंत बाद भारत पर आरोप लगाए गए। यह आरोप एक पूर्वनिर्धारित राजनीतिक एजेंडे के तहत लगाए गए, जो मीडिया में आसानी से बेचा जा सकता था। कनाडा की खुफिया एजेंसी सीएसआईएस के एक अधिकारी ने खुलासा किया कि शुरुआती जांच में भारत की संलिप्तता का कोई संकेत नहीं था। अब तक की जांच में कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया, फिर भी भारत को दोषी ठहराने की कोशिशें जारी रहीं। हत्या के बाद खालिस्तानी गुटों ने भारत के खिलाफ एक सोची-समझी रणनीति के तहत आरोप लगाए। हत्या के तुरंत बाद खालिस्तानी गुटों ने भारत के खिलाफ एक संगठित प्रोपगैंडा चलाया। उन्होंने इसे दुनिया भर में बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया और लोगों की सहानुभूति बटोरी। यह गुट अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए भारत को बदनाम करने में जुट गए। उनकी झूठी कहानियां और प्रचार ने वैश्विक मीडिया का ध्यान खींचा। यह उनकी भारत विरोधी एजेंडे को बढ़ावा देने का एक अवसर बन गया। 2023 में, कनाडा ने अपनी इंडो-पैसिफिक नीति में भारत को अहम साझेदार के रूप में शामिल किया। कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली की भारत यात्रा में एफटीए (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट) पर भी चर्चा हुई।

बेंगलुरु की स्टार्टअप ...

में यह सैटेलाइट अहम भूमिका निभाएगी। पृथ्वी के चारों ओर की कक्षाएं उपग्रहों के साथ-साथ अंतरिक्ष मलबे से भरी हुई हैं। पिछले महीने, इसरो को कक्षा के मार्ग में ऐसे मलबों की अधिकता के कारण स्पैडेक्स मिशन की लॉन्चिंग को दो मिनट के लिए टालना पड़ा था। कम से कम 25 हजार किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की गति से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे अंतरिक्ष यान पर मलबे के टुकड़े का हल्का टकराव भी घातक साबित हो सकता है। दिगंतारा एयरोस्पेस के संस्थापक अनिरुद्ध शर्मा ने कहा कि इस मिशन का उद्देश्य अंतरिक्ष की सुरक्षा मजबूत करना है। सैटेलाइट लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) में वस्तुओं को ट्रैक कर सकेगा।

इस्कॉन से प्रेरणा ...

है। उन्होंने कहा कि भारत की आध्यात्मिक संस्कृति साधकों को समाज से जोड़ती है, करुणा को बढ़ावा देती है और उन्हें सेवा की ओर ले जाती है। श्री कृष्ण के एक श्लोक का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी धार्मिक ग्रंथ और शास्त्र सेवा की भावना पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि इस्कॉन, एक विशाल संगठन है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण में योगदान करते हुए सेवा की इसी भावना के साथ काम करता है। उन्होंने कहा कि इस्कॉन कुंभ मेले में महत्वपूर्ण सेवा गतिविधियां चला रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक असाधारण और अद्भुत भूमि है, यह भौगोलिक सीमाओं से बंधा हुआ एक टुकड़ा मात्र नहीं है, बल्कि जीवंत संस्कृति वाली जीवंत भूमि है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस संस्कृति का सार आध्यात्मिकता है और भारत को समझने के लिए सबसे पहले आध्यात्मिकता को अपनाना होगा। मोदी ने कहा कि दुनिया भर में इस्कॉन के अनुयायी भगवान कृष्ण के प्रति अपनी भक्ति के कारण एकजुट हैं। उन्होंने कहा कि एक और जोड़ने वाला सूत्र श्रील प्रभुपाद स्वामी की शिक्षाएं हैं, जो भक्तों को चौबीसों घंटे मार्गदर्शन देती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्रील प्रभुपाद स्वामी ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वेदों, वेदांत और गीता के महत्व को बढ़ावा दिया और भक्ति वेदांत को आम लोगों की चेतना से जोड़ा। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष की आयु में, जब अधिकांश लोग अपने कर्तव्यों को पूरा मानते हैं, श्रील प्रभुपाद स्वामी ने इस्कॉन मिशन शुरू किया और दुनिया भर की यात्रा की, भगवान कृष्ण के संदेश को हर कोने में फैलाया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि श्रील प्रभुपाद स्वामी के सक्रिय प्रयास हमें प्रेरित करते रहते हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर देते हुए कि सरकार कृष्ण सर्किट के माध्यम से देश भर में विभिन्न तीर्थस्थलों और धार्मिक स्थलों को जोड़ रही है। उन्होंने कहा कि यह सर्किट गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और ओडिशा तक फैला हुआ है। इन स्थलों को स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजनाओं के तहत विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये मंदिर भगवान कृष्ण के विभिन्न रूपों को प्रदर्शित करते हैं, उनके बाल रूप से लेकर राधा रानी के साथ उनकी पूजा, उनके कर्मयोगी रूप और एक राजा के रूप में उनकी पूजा तक। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसका उद्देश्य भगवान कृष्ण के जीवन और मंदिरों से जुड़े विभिन्न स्थलों की यात्रा को आसान बनाना है, जिसके लिए विशेष रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि इस्कॉन कृष्ण सर्किट से जुड़े इन आस्था केंद्रों तक भक्तों को लाने में सहायता कर सकता है। उन्होंने इस्कॉन से आग्रह किया कि वे अपने केंद्रों से जुड़े सभी भक्तों को भारत में कम से कम पांच ऐसे स्थानों पर जाने के लिए प्रोत्साहित करें।

मोर्चरी में अचानक ...

संदेश प्रकाशित किया था। इस वजह से कई लोग उनके निधन पर संवेदना व्यक्त करने के लिए उनके घर पहुंच चुके थे। पवित्रन कन्नूर के शहर कुथुपरम्बा के पास पचपोइका के रहने वाले हैं। अस्पताल में उनके शव मुर्दाघर ले जाते वक्त अस्पताल के एक कर्मचारी जयन ने पवित्रन की उंगलियों में हल्की हरकत देखी और उनके रिश्तेदारों और डॉक्टरों को सूचना दी। अस्पताल के कर्मचारी जयन ने बुधवार को मीडिया को बताया कि उनके अलावा इलेक्ट्रीशियन अनूप भी वहां थे। अनूप ने देखा कि पवित्रन की उंगलियां हिल रही थीं और उन्होंने मुझे बुलाया। मैंने भी देखा। हमने तुरंत रिश्तेदारों और डॉक्टरों को इस बाबत जानकारी दी। उनका रक्तचाप जांचने पर वह सामान्य पाया गया। डॉक्टर्स की पुष्टि के बाद पवित्रन को तुरंत आईसीयू में ले जाया गया। एकेजी मेमोरियल अस्पताल के अधिकारियों ने बुधवार को पुष्टि की कि पवित्रन इलाज के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहे हैं। जब उनका नाम पुकारा जाता है तो वह अपनी आंखें खोल रहें हैं और लोगों को देख रहे हैं। हालांकि उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। उनके परिवार के मुताबिक वह हृदय और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों सहित सेहत संबंधी कई परेशानियां झेल रहे थे। उन्हें कर्नाटक के मंगलुरु में एक निजी अस्पताल में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। इलाज के महंगे होने की वजह से परिवार ने सोमवार को उन्हें गृहनगर पचपोइका वापस लाने का फैसला किया। परिवार को मंगलुरु के डॉक्टरों ने बताया था कि पवित्रन के वेंटिलेटर सपोर्ट हटाने के 10 मिनट के अंदर उनकी मौत हो जाएगी और वेंटिलेटर के बगैर एक साधारण एम्बुलेंस में पांच घंटे से अधिक के सफर में उनका बचना नामुमकिन है। परिवार ने दावा किया कि मंगलूरू के अस्पताल से एंबुलेस में पचपोइका लाने के दौरान पवित्रन के शरीर में कोई हरकत नहीं देखी गई। रास्ते भर पवित्रन ने अपनी आंखें नहीं खोली थीं और उनका रक्तचाप भी बेहद कम था। रात में कन्नूर पहुंचने पर परिवार उनके शव को एकेजी अस्पताल के मुर्दाघर में रखने के लिए लाया था।

बांग्लादेश एससी ने ...

खिलाफ खालिदा (79) की अपील की समीक्षा के बाद प्रधान न्यायाधीश डॉ. सैयद रेफात अहमद की अध्यक्षता वाली पीठ ने बुधवार को यह फैसला सुनाया। खबर में कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय ने जिया, पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान और अन्य सभी संदिग्धों को जिया अनाथालय ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में उनकी अपील पर बरी कर दिया। अपीलीय प्रभाग ने कहा कि यह मामला बदले की भावना से प्रेरित था। जिया को आठ फरवरी, 2018 को ढाका की विशेष न्यायाधीश अदालत-5 ने जिया अनाथालय ट्रस्ट के नाम पर सरकारी धन के कथित गबन के लिए पांच साल के कारावास की सजा सुनाई थी। इसी फैसले में खालिदा जिया के बेटे तारिक और पूर्व मुख्य सचिव कमालुद्दीन सिद्दीकी सहित पांच अन्य आरोपियों को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। प्रत्येक आरोपी पर 2.1 करोड़ टका का जुर्माना भी लगाया गया। आरोपियों में से तारिक, सिद्दीकी और जियाउर्रहमान का रिश्तेदार मोमिनुर रहमान अब भी फरार हैं। जिया ने अधीनस्थ अदालत के फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की थी, लेकिन 30 अक्तूबर 2018 को न्यायमूर्ति एम. इनायतुर रहीम और न्यायमूर्ति एमडी मुस्तफिजुर रहमान की पीठ ने सजा को बढ़ाकर 10 साल कर दिया। इसके बाद जिया ने इस सजा के खिलाफ अपील दायर की। कानूनी प्रक्रियागत मुद्दों और अधिवक्ताओं की ओर से पहल की कमी के कारण वर्षों की देरी के बाद, अपीलीय प्रभाग ने 11 नवंबर 2024 को जिया की अपील स्वीकार कर ली। अदालत ने अपील की अंतिम सुनवाई तक उच्च न्यायालय की 10 वर्ष की सजा पर भी रोक लगा दी। सुनवाई समाप्त होने के बाद अपीलीय प्रभाग ने जिया को बरी करने के अपने फैसले की घोषणा की तथा आधिकारिक तौर पर उन्हें मामले में आरोपों से मुक्त कर दिया। जिया बीमार हैं और इस महीने की शुरुआत में इलाज के लिए लंदन गई थीं। जिया, मार्च 1991 से मार्च 1996 तक और फिर जून 2001 से अक्तूबर 2006 तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं।

भागवत की सच्ची ...

मोहन भागवत की टिप्पणी का जिक्र किया। राहुल ने कहा कि भाजपा और आरएसएस द्वारा सभी संस्थानों पर कब्जा कर लिया गया है। जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं के खिलाफ किया जा रहा है। पार्टी का हर कार्यकर्ता कठिन परिस्थिति में भी इस विचारधारा के खिलाफ लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मोहन भागवत में यह कहने का साहस है कि वह देश के स्वतंत्रता आंदोलन और संविधान के बारे में क्या सोचते हैं। उन्होंने जो कहा वह देशद्रोह है। क्योंकि वह कह रहे हैं कि संविधान अमान्य है और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई अमान्य थी। मोहन भागवत के अंदर यह सार्वजनिक रूप से कहने का साहस है। किसी और देश में अगर वो ऐसा कहने की कोशिश करते, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता। भारत को 1947 में आजादी नहीं मिली, ऐसा कहना हर भारतीय का अपमान है। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष ने चुनाव आयोग पर भी सवालिया निशान उठाए। उन्होंने कहा कि देश के चुनावी सिस्टम में एक गंभीर समस्या है। राहुल ने कहा कि पार्टी ने महाराष्ट्र में वोटरों की संख्या अचानक बढ़ने पर चुनाव आयोग से जानकारी मांगी थी, लेकिन उन्होंने देने से मना कर दिया। राहुल ने कहा कि इससे कौन-सा उद्देश्य पूरा होने वाला है? क्या इससे चुनाव आयोग को कोई नुकसान होगा? वह हमें लिस्ट क्यों नहीं दे रहे हैं। यह इलेक्शन कमीशन की जिम्मेदारी है कि चुनावों में पारदर्शिता बनी रहे। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में वोटरों के आंकड़ें में 1 करोड़ का फर्क है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव आयोग की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह बताए कि ऐसा क्यों हुआ। राहुल ने कहा कि कांग्रेस ने देश के लोगों के लिए काम किया है। संविधान की नींव पर इस देश की सफलता बुनी गई है।

डिमोरिया राजा का लगा राज दरबार

गुवाहाटी (हिंस)। भोगली बिहू के उरुका के दिन डिमोरिया के ऐतिहासिक पारशाली झील के किनारे डिमोरिया राजा का राज दरबार लगा। पारशाली झील के किनारे राजघरिया (राजघराना) परिचालन समिति के अध्यक्ष मदन आममी, राज दरबार परिषद के डिमोरिया राजा हलिसिंह रंग्हांग उपस्थित रहे। राज दरबार के बीच डिमोरिया को लेकर विभिन्न प्रकार का विचार विमर्श किया गय। इस दौरान डिमोरिया के ऐतिहासिक लालीला नृत्य की धुन पर मौजूद लोगों ने जमकर नृत्य किया। इस दौरान राजघरिया परिचालन समिति के सचिव विप्लव सरकार डिमोरिया राजा हलिसिंह रंग्हांग को गमछा पहनकर स्वगात किया। डिमोरिया के वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक देवेन बरुवा को राजा के राज दरबार की ओर से सम्मानित किया गया। इस दौरान शोधार्थी लोकेंद्र हजारिका, लेखक एवं शिल्पी लखेश्वर डेका, प्रदेश भाजपा कार्यालय के सचिव सुशांत विश्वास, कार्बी बांठे असम के अध्यक्ष मनेश्वर कठार, राजघरिया पंचायत समिति के पूर्व सचिव खड़गेश्वर मोर्मे, पूर्व प्रधान शिक्षक नारायण सरकार सहित अन्य कई वरिष्ठ व्यक्ति मौजूद रहे। पारशाली झील के अलावा डिमोरिया के दो अन्य झील जालीखड़ा और बमुनी झील में भी लोगों ने सामूहिक रूप से मछलियां पकड़कर भोगाली बिहू मनाया।

बरपेटा में भोगाली बिहू : सत्रीया परंपरा का अनूठा समन्वय

बरपेटा (हिंस)। सत्रीया परंपरा के अनुरूप बुधवार को बरपेटा सत्र में माघ माह का मेजी प्रज्ज्वलित कर भोगाली बिहू मनाया गया। मंगलवार को उरुका के उल्लासमय आयोजन के बाद बुधवार को सुबह सत्र में नियमित अनुष्ठानों के पश्चात परंपरा अनुसार टूपर चौताल में बिरिनि से बने मेजी में अग्नि प्रज्ज्वलित की गई। इस अवसर पर बरपेटा सत्र के बूढ़ा सत्राधिकार डॉ. बाबुल चंद्र दास, डेका सत्राधिकार गौतम पाठक और सत्र के अन्य भक्तों ने मेजी प्रज्ज्वलित की। विशेष रूप से, बरपेटा में सत्रीया केंद्रित माघ बिहू के इस आयोजन को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्त सत्र में एकत्र हुए और मेजी की अग्नि से बनी राख को तिलक स्वरूप अपने माथे पर लगाकर घर लौटे। परंपरा के अनुसार, पूस संक्रांति से लेकर 4 माघ तक बरपेटा सत्र में पांच दिवसीय माघ दोमाही का आयोजन होता है। इन पांच दिनों में नित्य अनुष्ठान के साथ-साथ विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। सत्र परिसर भक्तों से खचाखच भरा रहा। आज सुबह के नित्य अनुष्ठान में भक्तों द्वारा भतिमा, नाम-प्रसंग और भागवत पाठ किया गया। इसके पश्चात गायक-वादकों ने गुरु आसन के समक्ष गुरुघाट का आयोजन कर भक्ति संगीत प्रस्तुत किया। इसके अलावा, मेजी प्रज्ज्वलित होने के बाद सत्र से संबंधित विभिन्न स्थलों जैसे राखाल थान, बिलरटारीहाटी, वृंदावन हाटी सहित 22 हाटियों में भी परंपरा अनुसार मेजी जलाए गए। परंपरा के अनुसार, सत्र में मेजी जलाने के बाद ही अन्य हाटियों में माघ बिहू के मेजी जलाए जाते हैं। बरपेटा में लोक संस्कृति और सत्रीया संस्कृति का यह अनूठा संगम भोगाली बिहू को एक विशिष्ट पहचान देता है। सत्रीया संस्कृति के अनुशासन और भक्ति भाव से ओतप्रोत यह पर्व यहां के लोक जीवन को आध्यात्मिकता के साथ जोड़ता है। भक्तों द्वारा मार्ग में गाए गए हरिनाम-कीर्तन की मधुर ध्वनि से सत्र नगरी बरपेटा में एक अद्वितीय वातावरण का निर्माण हुआ। बरपेटा सत्र की इस आध्यात्मिकता और भोगाली बिहू के उल्लास ने स्थानीय लोगों के मन में भक्ति और आनंद का अद्भुत संचार किया।

मणिपुर में बड़ी संख्या में हथियार और विस्फोटक बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में अलग-अलग अभियानों में व्यापक पैमाने पर हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए। पुलिस ने बुधवार को बताया कि सुरक्षा बलों ने कांगपोकपी जिले के संवेदनशील इलाकों में तलाशी और क्षेत्र वर्चस्व अभियान चलाया। न्यू कैथेलमांबी थाना क्षेत्र के जीरो प्वाइंट-पी1 रेलवे टनल रोड (सीओबी कोटलेन से 6 किलोमीटर उत्तर) में तलाशी के दौरान दो 9 मिमी सीएमजी और दो मैगजीन, दो देसी सिंगल बैरल राइफल, एक नंबर 36 हैंड ग्रेनेड तथा एक मोटरोला (बाओफेंग) बरामद किया गया। एक अन्य अभियान में फेयेंग रिज (फ्रीडम हिल और फेयेंग गांव के बीच) में दो बोल्ट एक्शन राइफल, तीन 9 मिमी पिस्टल, एक 0.32 पिस्टल, एक अन्य पिस्टल, तीन नंबर 36 हैंड ग्रेनेड, चार इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, तीन डेटोनेटर (नंबर 36 ग्रेनेड), दो .38 मिमी जिंदा राउंड, चार 0.22एमएम जिंदा राउंड, चार 9 मिमी जिंदा राउंड, दो टीयर स्मोक शेल (एसआर), एक गैस गन शेल, एक टीयर स्मोक (एलआर) तथा एक बाओफेंग रेडियो सेट बरामद किया गया। सभी बरामद वस्तुओं को आगे की जांच के लिए अधिकारियों को सौंप दिया गया ।

कल से तीन दिवसीय ऐतिहासिक जोनबिल मेला शुरू

मोरीगांव (हिंस)। गुरुवार से तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रमों के साथ जगीरोड के जोनबिल किनारे ऐतिहासिक गोभा देवराजा का जोनबिल मेला आयोजित किया जाएगा। विश्व प्रसिद्ध विनिमय परंपरा वाले इस मेला के आयोजन समिति ने मेले की तैयारी पूरी कर ली है। पहाड़ी उत्पादित कृषि सामग्री लेकर कार्बी आंगलोंग और मेघालय के सैकड़ों गांवों से लोग मेले में शामिल होने आने लगे हैं। साथ ही मेले में कुत्तों की लड़ाई और सामूहिक मछली पकड़ने की परंपरा का आयोजन होगा। मेले के पहले

दिन मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा उपस्थित रहेंगे। इस दौरान मध्य असम के 22 तिवा राजाओं को मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा राजभत्ता प्रदान करेंगे। मेले के दूसरे दिन शुक्रवार को ऐतिहासिक विनिमय परंपरा का आयोजन होगा, जिसका उद्घाटन मोरीगांव के विधायक रमाकांत देउरी करेंगे। मेला आयोजन की तैयारियां बीते एक माह से चल रही है। असम सरकार के जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका इस मेले की तैयारी का कई बार निरीक्षण कर चुके हैं। मेले में भाग लेने के लिए असम तथा देश के विभिन्न स्थानों से लोग पहुंच रहे हैं।

बंगाईगांव में भीषण अग्निकांड से बर्तनों के गोदाम राख

बंगाईगांव। 15 जनवरी को दोपहर करीबन 1-30 बजे बंगाईगांव शहर के बीचो-बीच एओसी रोड में स्थित हरिराम महेश्वरी प्राथमिक विद्यालय के बगल में भीषण आग लगी जिसके कारण इस आवासीय इलाके में हा हा कार मच गया। यह आवासीय इलाका होने के साथ साथ बगल में एक पेट्रोल पंप भी होने के कारण लोगों में भय का माहौल अधिक देखा गया। यह आग कृष्ण दास नामक एक अल्मुनियम बर्तन के व्यापारी के एक साथ सटे दो गोदामों में लगी जहां लाखों के अल्मुनियम बर्तन जलकर राख होने की खबर है। गोदाम में धुआं की लपटों को देखकर आसपास के रहने वाले लोग पहुंचकर आग बुझाने की चेष्टा की लेकिन आगे इतनी तेजी से बढ़ने लगी की तुरंत अग्निशमन

विभाग को खबर दी गई। अग्निशमन विभाग की दमकलें आने के बाद करीबन दो घंटे में आग पर काबू पाया गया। आग लगने के कारणों की अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों का अनुमान है कि यह आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है।

पूसीरे की आरपीएफ ने दिसंबर में 04 दलालों को पकड़ा

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने पिछले महीने इस जोन में चलाए गए अलग-अलग जांच अभियान में रेलवे टिकटों की अवैध बिक्री मामले में 04 दलालों को पकड़ा। दिसंबर 2024 में, पूसीरे की आरपीएफ ने उक्त अभियानों के दौरान विभिन्न स्थानों से 1.15 लाख रुपए से अधिक मूल्य के 45 (06-लाइव और 39-उपयोग किए गए) रेलवे टिकट बरामद किए। पकड़े गए दलालों पर रेल अधिनियम की संबंधित धारा के तहत मुकदमा चलाया गया। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि हाल ही में गत 22 दिसंबर, 2024 को कटिहार की आरपीएफ सीआईबी टीम और पूर्णिया की

आरपीएफ टीम ने संयुक्त रूप से बिहार के पूरनगंज स्थित *गालिब कंप्यूटर्स* पर छापेमारी कर तलाशी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान टीम ने 20 ई-टिकट (01 लाइव और 19 उपयोग किए हुए) बरामद किए, जिनकी कीमत करीब 47,928.30 रुपए थी और इस सिलसिले में एक दलाल को गिरफ्तार किया। आगे की कार्रवाई के लिए आरपीएफ पोस्ट, पूर्णिया में रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत एक मामला दर्ज किया गया। वहीं, गत 07 दिसंबर, 2024 को एक अन्य अभियान में, आरपीएफ/लमडिंग की सीआईबी टीम ने न्यू हाफलंग की आरपीएफ टीम के साथ मिलकर एक दलाल को पकड़ा और उसके पास से लगभग 2530 रुपए का एक रेलवे टिकट बरामद किया। आगे की कार्रवाई के लिए न्यू हाफलंग आरपीएफ पोस्ट में रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत मामला दर्ज किया गया। पूसीरे की आरपीएफ अनधिकृत एवं अवैध रेलवे टिकटों की खरीद पर कड़ी निगरानी रखती है। पूसीरे प्राधिकरण सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे ट्रेन यात्रा के दौरान होने वाली समस्याओं से बचने के लिए उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें।

उपलब्धि

गौरव अग्रवाल पुत्र स्व. विजय अग्रवाल व श्रीमति निर्मला अग्रवाल ने दिनांक 13-01-2025 को "कौन बनेगा करोड़पति" में 640000 रुपए जीतें, श्री अग्रवाल पेशे से शिक्षक हैं। इन्होंने दूसरे प्रश्न के सही उत्तर दि, श्री अग्रवाल छत्रीबाड़ी गौहाटी गौशाला के नजतीक के निवासी है। इन्होंने न केवल गुवाहाटडी बल्कि पूरे असम का नाम रोशन किया। इनकी इस उपलब्धि पर पूरा मारवाड़ी समाज गौरव अनुभव कर रहा है।

गुवाहाटी इलेक्ट्रिक मर्चेंट्स एसोसिएशन की डायरी 2025 का विमोचन

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी इलेक्ट्रिक मर्चेंट्स एसोसिएशन (जेमा) की डायरी 2025 का विमोचन श्रद्धांजलि कॉम्प्लेक्स स्थित जेमा कार्यालय में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष नवल किशोर सारडा ने उपस्थित सदस्यों एवं विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। कॉरपोरेट जगत की दिग्गज कंपनी आर आर काबेल लिमिटेड से त्रिभुवन प्रसाद काबरा, हैवेल्स इंडिया लिमिटेड से संदीप फूकन एवं अजोय भादुड़ी, केईआइ केबल्स लिमिटेड से रूबुल गोगोई, क्रॉम्पटन ग्रीव्स से जितेन बोरदोलोई एवं उनकी टीम, सिस्का एलईडी से रफीकुल, ग्लोराइट एलईडी से मनोज एवं कई अन्य कंपनी प्रतिनिधि इस विमोचन का हिस्सा बने। विमोचन के अवसर पर कंपनियों से पधारे प्रतिनिधियों का संस्था की तरफ से फुलाम गमछा पहनाकर अभिनंदन किया गया एवं डायरी में विज्ञापन के रूप में उनके सहयोग की प्रशंसा की गई एवं प्रतिनिधियों ने भी अपनी अपनी भावनाएं व्यक्त की। डायरी के संपादन में उपाध्यक्ष गोपाल पसारी का मार्गदर्शन एवं संयोजक अभिषेक केजरीवाल तथा सहसंयोजक दीपक अग्रवाल एवं आनंद सराफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।इस अवसर पर उपाध्यक्ष अशोक सेठिया, सह सचिव अनिल दुगड़, कोषाध्यक्ष नवीन सेठिया, सह कोषाध्यक्ष अभिषेक कागलीवाल, संरक्षक सज्जन अग्रवाल, सलाहकार राजकुमार धानुका, अशोक मालू, प्रमोद मोर, लक्ष्मीपत दुगड़, कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप अग्रवाल, राजेश सोनी, संजय काबरा, कमल अग्रवाल, सौरभ जैन, दिनेश अग्रवाल, अतुल चौरड़िया, अभिनव पटवारी, अमन जालान, उज्जवल मोर, एवं काफी संख्या में सदस्य गण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सचिव साकेत राज पुगलिया ने कुशलता पूर्वक किया।इस आशय की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी राजेश सोनी ने प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा दी।

मेहदी आलम बोरा, संभित शर्मा एआईसीसी का समन्वयक नियुक्त

गुवाहाटी (हिंस)। आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने असम प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मेहदी आलम बोरा और संवित शर्मा को समन्वयक के रूप में नियुक्त किया है। दोनों समन्वयक दिल्ली के सुलतानपुर मध्य विधानसभा क्षेत्र में समन्वयक के रूप में कार्य करेंगे।

श्रीश्री भोगेश्वर महाप्रभु के 300वें आविर्भाव तिथि पर मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने श्रीश्री भोगेश्वर महाप्रभु की 300वीं आविर्भाव तिथि पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बजाली के नित्यानंद में इस शुभ अवसर को मनाने के लिए एकत्रित सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। महाप्रभु को मेरी श्रद्धांजलि।

विद्यापति चेतना समिति ने किया कंबल वितरण

गुवाहाटी (हिंस)। सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संस्था विद्यापति चेतना समिति ने मकर संक्रांति के अवसर पर प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी शांति सभा, कुमारपाड़ा एवं बशिष्ठाश्रम में गरीबों के बीच कंबल, तिल के लड्डू, चूड़ा-मुरही, बिस्कुट नाश्ता के पैकेट व पानी की बोतल का वितरण किया। सर्वप्रथम शांति सभा के पुजारी ने सभी सामग्री को गणेश बाबा को मंत्रोच्चारण के साथ चढ़ाया। तत्पश्चात उसे गरीबों के बीच बांटा गया। इसी तरह बशिष्ठाश्रम में भी कंबल आदि का वितरण किया गया। इस कार्य में समिति के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष रमण झा, उपाध्यक्ष विद्यानंद झा, महासचिव प्रमोदानंद आचार्य, संयुक्त सचिव सत्येंद्र झा, कोषाध्यक्ष अभयकांत कुंवर, दीपक झा, केएन सिंह, अशोक राय सहित सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे। इस कार्यक्रम की लोगों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की है। इस आशय की जानकारी समिति के मीडिया सचिव पशुपति चौधरी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

तीस वर्ष बाद कसुतली में जली मेजी

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में भोगली बिहू पूरे हर्सो उल्लास के साथ मनाया गया। इसी कड़ी में सोनपुर के कसुतली में लगभग 30 साल बाद सामूहिक रूप से भोगली बिहू का आयोजन किया गया। पिछले कई वर्षों से संदिग्ध नागरिकों द्वारा कसुतली इलाके में अवैध कब्जे की वजह से सामूहिक रूप से रंगाली बिहू का आयोजन नहीं किया जा रहा था। पिछले वर्ष कसुतली इलाके में संदिग्ध नागरिकों के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया गया था। जिसके बाद इस वर्ष भोगाली बिहू मौके पर सामूहिक रूप से बिहू का आयोजन किया गया। स्थानीय लोगों ने मेजी जलाकर पारंपरिक भोगाली बिहू बनाया। इस दौरान मौजूद लोगों के बीच विभिन्न लाड्डू, पीठा, के आलावा विभिन्न प्रकार की मिठाइयों का वितरण किया गया।

डिमापुर : *कैसे हो आपसी रिश्ते* पर कार्यशाला आयोजित

डिमापुर। मुनि प्रशांत कुमार, मुनि कुमुद कुमार के सान्निध्य में *कैसे हो आपसी रिश्ते* कार्यशाला एवं *सम्मान समारोह* डिमापुर (नगालैंड) सभा द्वारा आयोजित हुआ। जनसभा को संबोधित करते हुए मुनि प्रशांत कुमार ने कहा कि व्यक्ति का मनोभाव रहे कि परिवार में शांति के साथ कैसे रहूं? जीवन में थोड़ा परिवर्तन लाने से परिवार की व्यवस्था सम्यक बन जाती है। सभी एक-दूसरे को बदलना चाहते हैं। इसलिए परिवार में अशांति बढ़ती जा रही है। मैं भी शांति से रहूं और दूसरों को भी शांति से रहने दूं, यह हमारा व्यवहार होना चाहिए। व्यक्ति दुनिया को बदलना चाहते हैं, लेकिन अपने आपको बदलना नहीं चाहता। अपने चिंतन में सुधार से ही जीवन व्यवहार में सुधार संभव है। परिवार में एक दूसरे के प्रति प्रेम से रहेंगे तो एक-दूसरे की कमियों को नहीं देखा जाएगा। जहां प्रेम है वहां अच्छाई को देखा जाता है। रिश्तों में आपसी सौहार्द, सद्भाव, सामंजस्य होना चाहिए। माता-पिता चिंतन करें कि हमें परिवार को कैसे चलाना है। कैसे संस्कार देने हैं। रिश्ते में सामंजस्य की कला बहुत जरूरी है। शिक्षा का सार यही है कि हम जीवन जीने की कला सीखें। व्यक्ति को स्वार्थवादी दृष्टिकोण से ऊपर उठना चाहिए। बड़े छोटे को वात्सल्य दें और छोटे बड़ों को सम्मान दें। समर्पण त्याग से ही परिवार में सुख सुकून मिलता है। पैसों से साधन मिल सकता है लेकिन सुख शांति नहीं मिलती है। दृष्टिकोण नकारात्मक बनने से आपसी रिश्ते खत्म होते देर नहीं लगती है। सामंजस्य-सहयोग रिश्ते को मजबूत बनाता है। हम एक दूसरे को समझना सीखें। मुनि कुमुद कुमार ने कहा कि आज के समय में रिश्तों की अहमियत भूलते जा रहे हैं। सुखी परिवार हमें बहुत कुछ प्रेरणा प्रदान करता है। परिवार के सदस्य एक दूसरे के प्रति सहयोग, सेवा, समन्वय, सहनशीलता, विनय-वात्सल्य,

साथ में भोजन तथा सप्ताह में एक बार सामूहिक संगोष्ठी रखें तो प्रत्येक परिवार सुखी-समृद्ध बन जाएगा। स्वर्ग के सुखों का अनुभव प्राप्त होगा। परिवार या रिश्ते जबरदस्ती नहीं चलते हैं वे चलते हैं आपसी व्यवहार एवं प्रमोदभाव से। अहंकार आपसी रिश्तों की जड़ को खत्म कर देता है। अधिकार जताना ही नहीं अधिकार देना भी सीखें। कार्यक्रम का शुभारंभ सभा के सदस्यों के मंगलाचरण से हुआ। स्वागत भाषण सभा अध्यक्ष अशोक कोचर ने दिया। गुवाहाटी से श्रीमती निर्मला बोथरा, श्रीमती ऋतु डागा, सुश्री वर्षिता बोथरा, महिला मंडल डिमापुर, ज्ञानार्थियों, दिगम्बर जैन समाज से ओमप्रकाश सेठी, महेश अग्रवाल, जोरहाट सभा अध्यक्ष रतनलाल भंसाली, डिफू महिला मंडल ने गीत, वक्तव्य, कविता तथा नाटक के माध्यम से प्रस्तुति दी। आभार सभा सहमंत्री अशोक बोथरा ने दिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन मुनि श्री कुमुद कुमारजी ने किया। सम्मान समारोह का संचालन सभा मंत्री प्रकाश बोथरा ने किया। सभा द्वारा विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों, डॉक्टरों एवं बाहर से समागत समाज का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जोरहाट, मोरियाबाी, डिफू, मांजा, गुवाहाटी से सहभागी बनें।

विदेश राज्यमंत्री मार्घेरिटा ने फिलीपींस में प्रवासी भारतीय समुदाय से की बातचीत

मनीला (हिंस)। भारतीय विदेश राज्यमंत्री पवित्र मार्घेरिटा ने अपने सात दिवसीय आधिकारिक विदेश दौरे में फिलीपींस के राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस से यहां मुलाकात की। इस बैठक में भारत और फिलीपींस के बीच लंबे समय से चले आ रहे मित्रतापूर्ण संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। उन्होंने फिलीपींस में प्रवासी भारतीय समुदाय से भी बातचीत की। इसके अलावा मंत्री ने मनीला स्थित मिरियम कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों के साथ एक संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने फिलीपींस में बसे प्रवासी भारतीय समुदाय के विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यावसायिक संगठनों के साथ भी विचार-विमर्श किया।

संपादकीय

दैवीय भी है महाकुंभ

बहुत लंबे 144 सालों के बाद प्रयागराज में महाकुंभ का आरंभ हुआ है। पहले ही दिन, 13 जनवरी को लोहड़ी पर्व पर, करीब 1.65 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। यह विश्व कीर्तिमान है। पावन 'मकर संक्रान्ति' के दिन अमृत, शाही स्नान साधु-संतों और नागा संन्यासियों ने किया। यह आदि शंकराचार्य की देन है, जिन्होंने सनातन धर्म के लिए साधु-संतों को एकीकृत कर अखाड़े बनाए। आज हमारे यहां 13 अखाड़े सक्रिय हैं। उनका अपना आध्यात्मिक, वैचारिक दर्शन और कर्मकांड हैं, लेकिन उनकी आत्मा में सनातन बसा है। वे सभी सनातनी आस्था के पैरोकार और प्रवक्ता हैं। वे शैव, वैष्णव, उदासीन, महानिर्वाणी, निर्मल नामधारी अखाड़े हो सकते हैं, लेकिन उनकी जुबां से 'हर-हर गंगे', 'हर-हर महादेव', 'जय श्रीराम' के उद्घोष ही गूंजते हैं। नागा संन्यासियों के भस्म-शृंगार को देखकर तो महादेव के शिवगण याद आने लगते हैं। महाकुंभ मौजूदा ब्रह्मांड का सबसे बड़ा और व्यापक, व्यवस्थित आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, बहुराष्ट्रीय, बहुनस्लीय, बहुभाषीय, दैवीय जन-समागम है। अनुमान है कि 26 फरवरी तक चलने वाले महाकुंभ में 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालु 'आस्था के स्नान' में शामिल हो सकते हैं। यह आंकड़ा अमरीका की कुल आबादी से भी बहुत ज्यादा है, लिहाजा श्रद्धालुओं के लिए चौतरफा व्यवस्थाएं की गई हैं। केंद्र और उप्र सरकार का 15,000 करोड़ रुपए का बजट खर्च हो सकता है, लेकिन कंपनियां अभी तक 3000 करोड़ रुपए अपने ब्रांड की उपस्थिति पर खर्च करने की घोषणाएं कर चुकी हैं। यह आयोजन हमारी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में भी सहायक साबित होगा। यदि दुनिया को किसी समारोह के आयोजन का सफल प्रबंधन, करोड़ों की भीड़ का मानवीय प्रबंधन और चाक-चौबंद सुरक्षा-व्यवस्था का पाठ पढ़ना हो, तो प्रयागराज महाकुंभ का अध्ययन करना चाहिए। कुछ श्रद्धालुओं को दिल का दौरा पड़ गया था। वे सभी स्वस्थ हैं और अस्पताल में उनका तुरंत इलाज किया गया है। इसी तरह कुछ श्रद्धालु अपने परिजनों से बिछुड़ गए थे, अंततः उन्हें मिला दिया गया। ये आयोजन की सफलताएं ही हैं। सरकार ने चप्पे-चप्पे पर 45,000 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए हैं। शीर्ष अधिकारी भी ड्यूटी पर हैं। सतत निगरानी और चौकसी के लिए करीब 3000 सीसीटीवी कैमरों का नेटवर्क, नियंत्रण-कक्ष तैयार किया गया है। कल्पना करें कि करोड़ों श्रद्धालु दुनिया भर से आ रहे हैं, लेकिन किसी भी भगदड़ की गुंजाइश नहीं है। हम 1954 की त्रासद घटना से सबक सीख कर बहुत आगे बढ़ चुके हैं। इस बार 450 किलोमीटर की लंबाई जैसी सड़कें बनाई गई हैं। स्नान के अलग-अलग रूट तय किए गए हैं। शौचालयों की संख्या भी 1.5 लाख बताई गई है। तैरने वाले पुल भी बनाए गए हैं। दरअसल यह अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अतुलनीय जन-सैलाब का आध्यात्मिक, सांस्कृतिक आयोजन है, जिसका इतिहास और अतीत दैवीय भी है। महाकुंभ से देवराज इंद्र के पुत्र जयंत की अमृत-कलश सुरक्षित ले जाने और अमृत की कुछ बूंदें प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक में छलक जाने की कहानी सर्वविदित है। कुंभ के आयोजन इन्हीं चार स्थलों पर होते रहे हैं, लेकिन महादेव द्वारा पुणे के पास सह्याद्रि पर्वत पर 'भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग' की स्थापना का प्रकरण भी महाकुंभ से जुड़ा है। भीमा एक असुर था। माता पार्वती को मुक्त कराने के संदर्भ में महादेव को भीमासुर के साथ युद्ध करना पड़ा। युद्ध के कारण वह सुंदरवन आग की लपटों में घिर गया। पशु-पक्षी और जानवर जान बचाने के लिए बेतहाशा भागने लगे। तब एक वृद्धा देवी ने कुपित होकर वहां उपस्थित ब्रह्मा, विष्णु, इंद्र, गणेश, नंदी और शिवगणों को श्राप दिया था। उन सभी के शरीर पर फफोले उभर आए थे। तब महादेव ने प्रयागराज में महाकुंभ के संगम में स्नान का सुझाव दिया था।

> 1.65 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। यह विश्व कीर्तिमान है। पावन 'मकर संक्रान्ति' के दिन अमृत, शाही स्नान साधु-संतों और नागा संन्यासियों ने किया। यह आदि शंकराचार्य की देन है, जिन्होंने सनातन धर्म के लिए साधु-संतों को एकीकृत कर अखाड़े बनाए। आज हमारे यहां 13 अखाड़े सक्रिय हैं। उनका अपना आध्यात्मिक, वैचारिक दर्शन और कर्मकांड हैं, लेकिन उनकी आत्मा में सनातन बसा है। वे सभी सनातनी आस्था के पैरोकार और प्रवक्ता हैं। वे शैव, वैष्णव, उदासीन, महानिर्वाणी, निर्मल नामधारी अखाड़े हो सकते हैं, लेकिन उनकी जुबां से 'हर-हर गंगे', 'हर-हर महादेव', 'जय श्रीराम' के उद्घोष ही गूंजते हैं। नागा संन्यासियों के भस्म-शृंगार को देखकर तो महादेव के शिवगण याद आने लगते हैं। महाकुंभ मौजूदा ब्रह्मांड का सबसे बड़ा और व्यापक, व्यवस्थित आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, बहुराष्ट्रीय, बहुनस्लीय, बहुभाषीय, दैवीय जन-समागम है। अनुमान है कि 26 फरवरी तक चलने वाले महाकुंभ में 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालु 'आस्था के स्नान' में शामिल हो सकते हैं।

मौसम विभाग के अनुसार यह तूफान बीते एक दशक का सबसे खतरनाक तूफान है

क्या हैं लॉस एंजेलिस की भयावह आग के संकेत ?

निर्मल रानी

> राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कंसास और मिसौरी से लेकर न्यू जर्सी तक बर्फ़ीले तूफ़ान की चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि 'इस क्षेत्र के उन स्थानों पर जहां सबसे अधिक बर्फबारी होती है, वहां कम से कम एक दशक की सबसे भारी बर्फबारी हो सकती है। ' जहाँ इस बर्फ़ीले तूफ़ान ने मध्य अमेरिका में कई राज्यों में जन जीवन अस्त व्यस्त किया वहीँ पिछले कई दिनों से लॉस एंजेलिस के जंगलों में लगी आग अभी तक पूरी तरह बेक़ाबू बनी हुई है। आग की लपटों की भयावहता को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है और अनेक लोग लापता हैं। हज़ारों एकड़ के इलाक़े में फैली इस भयानक आग के कारण लाखों लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा है।

विश्व का सर्व शक्तिशाली देश अमेरिका इन दिनों गोया प्राकृतिक प्रलय की चपेट में है। एक ओर तो मध्य अमेरिका में आये भीषण बर्फ़ीले तूफ़ान से क़रीब 6 करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं। कई प्रांतों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार यह तूफ़ान बीते एक दशक का सबसे ख़तरनाक तूफ़ान है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कंसास और मिसौरी से लेकर न्यू जर्सी तक बर्फ़ीले तूफ़ान की चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि 'इस क्षेत्र के उन स्थानों पर जहां सबसे अधिक बर्फबारी होती है, वहां कम से कम एक दशक की सबसे भारी बर्फबारी हो सकती है। ' जहाँ इस बर्फ़ीले तूफ़ान ने मध्य अमेरिका में कई राज्यों में जन जीवन अस्त व्यस्त किया वहीँ पिछले कई दिनों से लॉस एंजेलिस के जंगलों में लगी आग अभी तक पूरी तरह बेक़ाबू बनी हुई है। आग की लपटों की भयावहता को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है और अनेक लोग लापता हैं। हज़ारों एकड़ के इलाक़े में फैली इस भयानक आग के कारण लाखों लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा है। इस आग से यहां के हज़ारों आलीशान मकान और लाखों बेशक़ीमती गाड़ियां जलकर राख हो चुकी है। जिन लोगों के घर इस आग में तबाह हुए हैं उनमें अनेक विशिष्ट लोग व सेलिब्रिटीज़ भी शामिल हैं। इस आग के चलते अब तक अरबों डॉलर की संपत्ति का नुक़सान हो चुका है। एक निजी कंपनी द्वारा आग की वजह से अब तक क़रीब 250 अरब अमेरिकी डॉलर के आर्थिक नुक़सान का अनुमान लगाया है। प्राकृतिक आपदाओं में पूरे विश्व को बढ़चढ़कर सहायता पहुँचाने वाला अमेरिका लॉस एंजेलिस के जंगलों में लगी आग को बुझा पाने में पूरी तरह असमर्थ साबित हुआ है। जिसका सबसे बड़ा कारण यह बताया जा रहा है कि जंगल की इस आग को विस्तार देने में उन प्रकृतिक तेज हवाओं की सबसे बड़ी भूमिका है जो 100 से लेकर 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से इन इलाक़ों में चल रही हैं। इस आग में हॉलीवुड फ़िल्म इंडस्ट्री का काफ़ी बड़ा इलाक़ा और इससे जुड़े कई ऐतिहासिक स्मारक भी जलकर राख हो चुके हैं। आग बुझाने के लिये कहीं पानी की कमी है तो कहीं पानी गिराने वाले विमानों की संख्या कम है। अमेरिकी फ़ायर फ़ाइटर्स

स्वयं को असहाय महसूस कर रहे हैं। यह आग मानवता पर कितना बड़ा प्रकृतिक संकट है इसका अंदाज़ा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अमेरिका का सबसे बड़ा विरोधी देश ईरान भी ऐसे संकट में अमेरिका की मदद की पेशकश कर रहा है। ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी के प्रमुख पीर हुसैन कोलीवंद ने अमेरिकी रेड क्रॉस के सीईओ क्लिफ़ होल्ज़ को इस संबंध में संदेश भेजा है। जिसमें उन्होंने आग से हुए नुक़सान पर दुख जताते हुए इसे एक बड़ी त्रासदी बताया है। कोलीवंद ने कहा कि इस आपदा में हम अमेरिका की हर संभव मदद के लिए तैयार हैं। ग़ौरतलब है कि दोनों देशों के काफ़ी लंबे समय से तनावपूर्ण रिश्ते हैं। परन्तु ईरान ने आग की भयावहता को देखते हुए दुश्मनी को भूलकर मदद का हाथ बढ़ाया है। ज़ाहिर है कि विश्व के अब तक के सबसे भयानक व सबसे अधिक नुक़सान पहुँचाने वाले इस अग्निकांड ने फिर उन्हीं सवालों पर बहस छेड़ दी है जिसकी चर्चा गत तीन दशकों से विश्वव्यापी स्तर पर की जा रही है। सवाल उठने लगा है कि क्या यह सब ग्लोबल वार्मिंग का ही नतीजा है या कुछ और ? हालांकि लॉस एंजेलिस के जंगलों में लगी इस आग के बारे में एक ख़बर यह भी है कि यह किन्हीं शरारती तत्वों द्वारा लगाई गयी आग है। अमेरिकी पुलिस ने इस संदेह में कुछ गिरफ़्तारियां भी की हैं परन्तु यह बात पूरे दावे से इसलिए भी नहीं कही जा सकती क्योंकि इस इलाक़े में पहले भी अग्निकांड की घटनायें जंगलों में घर्षण के कारण होती रहती हैं। परन्तु जितनी अनियंत्रित आग इस बार की रही पहले कभी नहीं देखा गया। कल्पना कीजिये कि जब विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति इस आग को नियंत्रित कर पाने पूरी तरह असमर्थ है तो यदि ऐसी ही आग किसी विकासशील देश में लगी होती तो क्या आलम होता ? वैसे भी पिछले कुछ वर्षों के दौरान मौसम के निरंतर बिगड़ते जा रहे मिज़ाज के कारण दुनिया के अनेक देशों से जलवायु परिवर्तन व इसके परिणाम सम्बन्धी जो समाचार आ रहे हैं वह बेहद चौंकाने वाले हैं। जो ग्लेशियर पूरी दुनिया की ऋतु का संतुलन बनाये रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते थे वही ग्लेशियर अब तेज़ी से पिघल रहे हैं। इतनी तेज़ी से कि समुद्र में इन बड़े बड़े हिमखंडों को टूटते और इन्हें पानी में मिलते देखने के लिये भी पर्यटन शुरू हो चुका है। यानी दुनिया की तबाही का जश्न दुनिया अपनी आँखों से देखना भी चाह रही है। तमाम रेगिस्तानी इलाक़े जहाँ के लोग बारिश और बर्फ़बारी से वाक़िफ़ नहीं थे वहां से बाढ़ और बर्फ़बारी की ख़बरें आ रही हैं। गत वर्ष पूरे विश्व में गर्मियों के दौरान तापमान में जो ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गयी वह भी भारत सहित पूरे विश्व ने महसूस किया। इसी ग्लोबल वार्मिंग ने पहाड़ों की सुंदरता पर ग्रहण लगा दिया है। पर्वतीय क्षेत्रों में गर्मी बढ़ रही है। भूस्खलन की घटनायें बढ़ती जा रही हैं। पीने के पानी की कमी होने लगी है। ध्रुवीय भालू जैसे अनेक दुर्लभ पशु पक्षियों के अस्तित्व पर संकट मंडराने लगा है। परन्तु पूंजीवाद के चुंगल में जकड़ी यह विश्व व्यवस्था तबाही के मुहाने पर पहुँचने के बावजूद अभी भी विकास के नाम पर विनाश के खेल खेलती जा रही है। जलवायु संकट से कथित रूप से व्यथित परन्तु जलवायु संकट को ख़ुद ही बढ़ावा देने वाले देश प्रायः दुनिया में जलवायु संकट के गहराते ख़तरों पर घड़ियाली आंसू बहाने के लिये इकठ्ठा तो होते हैं परन्तु वे अपने देशों के कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने के बजाये प्रगतिशील व ग़रीब देशों को पैसे देकर उन्हें कार्बन उत्सर्जन कम करने का पाठ पढ़ाते हैं। यही पूंजीवादी देश दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में युद्ध भड़का कर भूमंडलीय ऊष्मीकरण (ग्लोबल वार्मिंग) को और बढ़ाने का काम करते हैं। ऐसे में यदि भविष्य में पृथ्वी पर सामान्य जीवन की कल्पना करनी हो तो लॉस एंजेलिस की भयावह आग से मिलने वाले संकेतों को तत्काल समझने की सख़्त ज़रुरत है।

दृष्टि कोण

सियासत में सैन्य भागीदारी पर उदासीनता

पंद्रह जनवरी 1949 को ब्रिटिश सैन्य अधिकारी जनरल 'सर फ्रांसिस रॉय बुचर' से जनरल 'केएम करियप्पा' ने भारतीय सेना की कमान संभाली थी। अतः इस दिन को 'सेना दिवस' के तौर पर मनाया जाता है। जनरल करियप्पा 14 जनवरी 1953 को सेना से सेवानिवृत्त हुए थे। इसलिए 14 जनवरी का दिन 'आर्म्ड फोर्सेज वेटरन डे' के रूप में मनाया जाता है। विश्व की चौथी ताकतवर भारतीय सेना का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। विश्व के कई मुल्क अराजकता व आतंकवाद की जद में आ चुके हैं। यदि आतंक की हिमायत करने वाले मुल्कों से घिरे भारत की सरहदें सुरक्षित हैं, देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, संविधान, न्यायिक व्यवस्था, लोकतंत्र के स्तम्भ व जम्हूरियत के नाम पर हुक्मरानी करने वाले सियासी रहनुमा महफूज हैं तो इसका श्रेय कड़े अनुशासन के लिए विख्यात भारतीय सेना को जाता है। चूंकि राष्ट्रीय सुरक्षा में हरदम मुस्तैद रहने वाली भारतीय सेना सियासत व संवैधानिक संस्थाओं में दखलअंदाजी नहीं करती। दहशतगर्दी की दारुल हुकूमत पाकिस्तान से सटे जम्मू कश्मीर में यदि पत्थरबाजी की घटनाएं शून्य हुई हैं तथा आतंक का खौफनाक माहौल काफी हद तक शांत होकर सूबे में जम्हूरी निजाम नाफिज हुआ है तो इस अमन-चैन को कायम करने में देश के हजारों शूरवीर सैनिक अपना सर्वस्व न्योछावर कर चुके हैं। पाकिस्तान प्रायोजित छद्म युद्ध सबसे ज्वलंत मुद्दा है। आतंकियों को फना करके हमारे सैनिक बलिदान हो रहे हैं। पाकिस्तान, नेपाल व भूमाफिया चीन जैसे मुल्कों के साथ भारत का सरहदी तनाजा चल रहा है। भारत के पूर्वोत्तर में बांग्लादेश एक चुनौती बनकर उभर चुका है। म्यांमार की सरहद से रोहिंग्या की घुसपैठ मुसीबत का सबब बन चुकी है। मुल्क के सियासी रहनुमा अपनी जाति, मजहब की पुरजोर हिमायत करते हैं। लेकिन सैन्य शहादतें व रक्षा क्षेत्र से जुड़े संवेदनशील मुद्दे संसद में चर्चा का मरकज नहीं बनते। इसका कारण जम्हूरियत के हुजरों में बैठकर जाति, मजहब व क्षेत्रवाद की सियासी तस्वीह घुमाने वाले मुल्क के रहबर सामरिक क्षेत्र की जमीनी हकीकत से नावाकिफ होते हैं। इसीलिए जम्हूरियत की पंचायतों में आतंकवाद व मुल्क की सरहदों से जुड़े मुद्दों की आवाज नहीं सुनाई देती। सैन्य शौर्य का श्रेय लेने के प्रयास जरूर होते हैं, मगर सैन्य शहादतों की अहमियत नहीं समझी जाती। नतीजतन मैदान-ए-हर्ब में दुश्मन को धूल चटाकर अदम्य साहस के शिलालेख लिखने वाली भारतीय सेना को सियासी मुजाकरात के टेबलों पर शिकस्त का सामना करना पड़ा है। 'ओआरओपी' के लिए पूर्व सैनिकों को चार दशकों तक जंतर-मंतर पर आंदोलन करना पड़ा। कला, साहित्य व समाज सेवा के क्षेत्र का व्यावहारिक अनुभव रखने वाले बारह सदस्य देश के राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत किए जाते हैं। मायानगरी के अदाकार, उद्योगपति व कई खिलाड़ी भी राष्ट्रपति द्वारा चुने जाते हैं। लेकिन मोहिब्बे वतन के जज्बात रखने वाले पूर्व सैनिकों को इस फेहरिस्त में शामिल नहीं किया जाता। राष्ट्र व लोकतंत्र की हिफाजत के लिए अपना पूरा यौवन समर्पित करने वाले पूर्व सैनिकों की सियासी निजाम में भी भागीदारी सुनिश्चित नहीं हुई। हालांकि मैदाने जंग में दुश्मन को फना करके फतह हासिल करने वाले कई पूर्व सैनिकों ने जम्हूरियत की जंग में भी हाथ आजमा कर इंतेखाब में जीत हासिल करके अपने सियासी नेतृत्व से लोगों को प्रभावित किया है। मेजर जनरल बीएस खंडूरी, कैप्टन अमरेंद्र सिंह, बेअंत सिंह, बीजू पटनायक व एन. बीरेन सिंह जैसे पूर्व सैनिकों ने मुख्यमंत्री के तौर पर खुद को लोकतांत्रिक व्यवस्था का काबिल हुक्मरान साबित किया है। कई पूर्व सैनिक प्रशासनिक सेवाओं व शिक्षा क्षेत्र तथा राज्यपाल के तौर पर अपनी अनुशासित कार्यशैली से ड्यूटी निभा रहे हैं। यदि वीरभूमि हिमाचल के सैन्य शौर्य का जिक्र न किया जाए तो भारतीय सैन्य इतिहास अधूरा रह जाएगा। हिमाचल प्रदेश के प्रथम उप राज्यपाल 'हिम्मत सिंह' तथा छठे उप राज्यपाल 'कंवर बहादुर सिंह' दोनों जरनैल भी पूर्व सैनिक थे। सशस्त्र बलों में हिमाचल की अहम भूमिका व मजबूत सैन्य परंपरा रही है। सूबे के सियासी रहनुमाओं को सत्ता के फलक तक पहुंचाने में भी पूर्व सैनिकों व सैन्य परिवारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। हिमाचल प्रदेश के सैन्य भर्ती कोटे में बढ़ोतरी का मुद्दा राज्य के लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ा है। युवाओं को एक वर्ष में सैन्य भर्ती के ज्यादा अवसर मिलने चाहिए। राज्य में सैनिक स्कूलों की संख्या में इजाफा होना चाहिए। राज्य के कई पूर्व सैनिकों का सियासी सफर भी काबिले तारीफ रहा है।

कुछ अलग

एप केरा एपुरा

गया वो बचपन जब दादा दादी, नाना नानी को घोड़ा बनाकर उनकी पीठ पर सवारी किया करता था। गया वो जमाना जब पिता के कंधे पर सवारी का आनंद लेते दूर दूर तक देखा करता था, पिता से भी बहुत आगे तक। गया वो जमाना जब मां की गोद में मां की थपथपियों के बीच लोरियां आंख बंद कर सोने का नाटक करते सुनी जाती थीं। गया वो जमाना जब बहना भी भाई की पीठ का आनंद लिया करती थी। गया वो जमाना जितना मजा जब दादा, नाना को दादा, नाना होते हुए भी घोड़ा बनने पर आता था, उससे अधिक आनंद तब नाती, पोते को नाना, दादा की पीठ की सवारी करने में आता था। अपने नाती पोते को अपनी पीठ की सवारी करवा तब उन्हें लगता था ज्यों घोड़ा बनकर भी उन्हें स्वर्ग मिल गया हो। अपने नाना दादा की पीठ पर सवार हो तब नाती पोते को लगता था ज्यों वह नाना, दादा की पीठ पर सवार न होकर पुष्पक विमान की सवारी कर रहा हो। तब दादा दादी, नाना नानी खांसते हुए भी अपने पोते, नाती का घोड़ा बन उसे पीठ पर बिठा सारी दुनिया की सैर करवाते थे। जमाना बदला तो दादा दादी, नाना नानी, पिता, भाई की पीठ के बदले नाती, पोता, बेटा, बहन छोटे छोटे यार दोस्त दोस्तों की पीठ की सवारी करने के बदले लकड़ी के घोड़े की सवारी करने लगे। फिर जमाना बदला तो लकड़ी के घोड़े की सवारी के बदले अपनी उम्र के हिसाब से वॉकर का सवार हो गए और दादा दादी, नाना नानी, पिता, भाई बहन, दोस्त की उंगली पकड़ कर चलना सीखने के बदले वॉकर पर सवार हो चलना सीखने लगे। फिर जब मिडिल क्लास के बाप की जेब में कुछ एक्स्ट्रा पैसे आए तो कुछ लोन शोन का जुगाड़ कर बाप साइकिल, मोटर साइकिल पर अपने बच्चे को सवार कर उसे जिंदगी की रेस में रेस लगाना सिखाने लगे। अब दिन एप की सवारी के हैं। एप पर सवार ख्वारी के हैं। बच्चा पैदा होते ही मां की गोद में नहीं, एप की गोद में जाकर लोरियां सुनता सोता है। अब बच्चा एप की उंगलियां पकड़ चलना सीखता है। अब बच्चा एप के कंधे पर सवार होकर दुनिया देखता है। अब बच्चा दादा, नाना, पिता, मां, भाई की पीठ की सवारी करना भूल गया है। अब बच्चा दादा, नाना, पिता, मां, भाई की उंगली पकड़ चलना सीखना भूल गया है। आज न किसी को अपनी पीठ की सवारी कराने का किसी के पास वक्त है और न किसी के पास किसी की पीठ की सवारी करने का। आज कदम कदम पर एप अपनी सवारी करवाने को सज धज कर खड़ा है। किसी को धन से लेकर मन तक उधार देना हो तो एप है साहब ! किसी से मन से लेकर धन तक उधार लेना हो तो एप है न साहब ! अब एप की सवारी कीजिए और जिंदगी के मजे लीजिए। प्रेम से लेकर प्यार, मनुहार सब एप पर। अब शादी ब्याह के लिए कोई बिचौलिया नहीं। एप पर गए और ढूंढ लिया मन चाहा वर। एप है तो क्या गम है। एप है तो गांव स्वर्ग सिधारे बाप को अपने बेटे के हाथों मुखाग्नि दिलवा स्वर्ग जाने की रत्ती भर भी नहीं टेंशन है। एप पर पंडितजी हाजिर। एप पर प्रभु के लाइव दर्शन ! एप पर प्रभु का प्रसाद। एप पर समाज की शांति, एप पर समाज का प्रमाद, उन्माद। आज जीव के पास भले ही हर चीज की कमी हो, पर एप की कोई कमी नहीं है। फाइनेंस सेट करना है तो बस, अपने मोबाइल के एप को टच भर करने की जरूरत है। कैम स्कैनर एप से लेकर आम स्कैमर तक का एप हमारी मु्ठी में है। एप जन्मघुट्टी है। एप नौकरी है, एप छुट्टी है। एपिया जिंदगी कुछ सच्ची है, बहुत कुछ झूठी है। एप केरा एपुरा, अस एपी की जात। एप पर ही जागत है, एप पर सो जात।

देश दुनीया से

क्या ठीक हैं यूजीसी के नए नियम?

भारत में शिक्षा को अधिक प्रभावी, समावेशी और व्यावहारिक बनाने के उद्देश्य से नई शिक्षा नीति 2020 (एनईपी-2020) के तहत विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में बड़े बदलाव किए गए हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने हाल ही में एक ड्राफ्ट जारी किया है, जिसमें शिक्षक नियुक्ति और प्रमोशन के नए नियम पेश किए गए हैं। इस ड्राफ्ट का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों की योग्यता और उनकी विशेषज्ञता को प्राथमिकता देना है, ताकि शिक्षा प्रणाली को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके। अब तक शिक्षक बनने के लिए यह अनिवार्य था कि उम्मीदवार का ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन और पीएचडी या नेट एक ही विषय में हो। लेकिन यूजीसी ने इस बाध्यता को समाप्त कर दिया है। नए नियमों के अनुसार यदि उम्मीदवार ने ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन किसी भी विषय में किया हो, तो भी वह शिक्षक बन सकता है, बशर्ते कि उसके पास पीएचडी या नेट किसी संबंधित विषय में हो। शिक्षक नियुक्ति अब ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के विषय पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि केवल उम्मीदवार की पीएचडी और नेट क्वालिफिकेशन पर आधारित होगी। इस बदलाव से न केवल शिक्षण में अधिक लचीलापन आएगा, बल्कि उम्मीदवारों को अपनी विशेषज्ञता के अनुरूप करियर बनाने का बेहतर अवसर मिलेगा। अब शिक्षक भर्ती केवल परंपरागत विषयों तक सीमित नहीं रहेगी। योग, संगीत, नाटक, मूर्तिकला और अन्य परफॉर्मिंग आर्ट्स में विशेषज्ञता रखने वाले लोग भी शिक्षक बन सकेंगे। शिक्षक भर्ती और प्रमोशन अब केवल शैक्षणिक डिग्रियों पर निर्भर नहीं रहेगा। इसके बजाय, उम्मीदवार के अनुभव, कौशल और शैक्षणिक प्रदर्शन को भी ध्यान में रखा जाएगा। नए नियमों के तहत भारतीय भाषाओं में एकेडमिक पब्लिकेशन और डिग्री प्रोग्राम्स को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे भारतीय भाषाओं का विकास होगा और छात्रों को अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करने के अधिक अवसर मिलेंगे। उम्मीदवार अब नेट या सेट में क्वालिफाई करने वाले किसी भी विषय में शिक्षक करियर बना सकते हैं, भले ही उनका ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन उस विषय से अलग हो। यूजीसी ने न केवल शिक्षक भर्ती, बल्कि प्रमोशन के नियमों में भी महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। शिक्षक प्रमोशन अब केवल डिग्री पर आधारित नहीं होगा। प्रमोशन के लिए शिक्षकों के अनुभव, कौशल और शिक्षण प्रदर्शन को प्राथमिकता दी जाएगी। कला, खेल और अन्य पारंपरिक क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले शिक्षकों को भी प्रमोशन में समान अवसर दिए जाएंगे। दिव्यांग खिलाड़ियों और अन्य विशेष प्रतिभाओं को भी शिक्षण क्षेत्र में समान अवसर मिलेगा। नए नियमों से परफॉर्मिंग आर्ट्स, योग, संगीत और पारंपरिक विषयों में विशेषज्ञता रखने वाले लोगों के लिए शिक्षण क्षेत्र में प्रवेश आसान होगा। नई प्रक्रिया भारत की शिक्षा प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाएगी। ड्राफ्ट का फोकस भारतीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने और उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने पर है। नए नियम दिव्यांग, खिलाड़ियों और अन्य विशेष क्षेत्रों से जुड़े लोगों को समान अवसर प्रदान करेंगे। देश के कुछ राज्यों द्वारा इन प्रस्तावित सुधारों का विरोध किया जा रहा है। तमिलनाडु विधानसभा ने यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) के संशोधित नियमों की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है। प्रस्ताव में तर्क दिया गया है कि नए नियम राज्य की स्वायत्तता का उल्लंघन करते हैं और उससे हायर एजुकेशन सिस्टम को कमजोर करते हैं। बता दें कि विवाद के केंद्र में कुलपतियों की नियुक्ति में राज्यपालों को अधिक अधिकार देने का निर्णय है। यूजीसी का तर्क है कि विश्वविद्यालयों के लिए अधिक स्वायत्तता और शैक्षणिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए ये बदलाव आवश्यक हैं। हालांकि तमिलनाडु सरकार का तर्क है कि यह कदम राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करता है और अपनी शिक्षा प्रणाली को संचालित करने की उसकी क्षमता को कमजोर करता है। कुछ राज्यों द्वारा यह भी कहा जा रहा है कि यह संघीय सिद्धांतों का उल्लंघन है और इसका छात्रों के भविष्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ेगा। यह भी कहा गया है कि राज्य को अपनी शिक्षा प्रणाली को संचालित करने का अधिकार है और यूजीसी की कार्रवाई उसके अधिकार का अतिक्रमण है।

यूजीसी ने नियम बनाए हैं कि कुलपति के चयन के लिए, गठित की जाने वाली चयन समिति का निर्णय राज्यपाल करेंगे। कुलपतियों की नियुक्ति का अधिकार राज्यपाल को देना विश्वविद्यालयों को बर्बाद करने का ही तरीका है। राज्यपालों को मनमाने ढंग से कुलपति नियुक्त करने के लिए, अधिक अधिकार देना उचित नहीं है। प्रस्तावित सुधारों की आलोचना में यह भी कहा जा रहा है कि इन नियमों को राज्य सरकारों द्वारा अपने संसाधनों और आर्थिक ताकत से बनाए गए विश्वविद्यालयों को हड़पने का अवैध प्रयास माना जाना चाहिए। यह नियम संघीय सिद्धांत के विरुद्ध है। शिक्षा पर केवल जनता द्वारा चुने गए लोगों का ही अधिकार होना चाहिए। तभी सभी लोगों को पूर्ण रूप से शिक्षा प्रदान की जा सकती है। यूजीसी के ड्राफ्ट नियमों को लेकर कहना न होगा कि इससे जमीनी और मौलिक टैलेंट अकादमिक क्षेत्र में लाने के रास्ते बन सकते हैं। कई छात्र काबिलियत के बावजूद पात्रता परीक्षा पास करने में कामयाब नहीं हो पाते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि वे अच्छे प्राध्यापक नहीं बन पाएंगे। क्या आचार्य चाणक्य जी ने पात्रता परीक्षा पास की थी? क्या राज्यों द्वारा राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए इन नियमों का विरोध तुच्छ मानसिकता की अभिव्यक्ति है? यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) के ड्राफ्ट मानदंडों के मुताबिक इंडस्ट्री के एक्सपर्ट्स के साथ-साथ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, पब्लिक पॉलिसी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के सीनियर प्रोफेशनल भी कुलपति के रूप में नियुक्ति के लिए जल्द ही पात्र होंगे।

आप का नजरीया

हिमाचली कलाकारों का पारिश्रमिक

हिमाचल के यूं तो हर विभाग का ताल्लुक पर्यटन से है, फिर भी यह कहना होगा कि कला, भाषा एवं संस्कृति विभाग के सभी पहलू सैलानियों के दृष्टिगत कई आयाम पैदा कर सकते हैं। यह दीगर है कि कला एवं संस्कृति से इतर भाषा का पक्ष अपनी कहानी में साहित्यकारों के किरदार को ही उन्नत करता रहा। इन्हीं उद्देश्यों में अकादमी भी अपने समारोहों की खनक में रूबरू होती है। बहरहाल मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की समीक्षा बैठक ने कलाकारों के पारिश्रमिक को एक आधार, एक पतवार थमाई है। अधिसूचित 107 मेले और तमाम धार्मिक समारोह व आयोजन जोड़कर इनकी क्षमता का आकलन किया जाए, तो हिमाचल का कलात्मक पक्ष रोजगार की दरगाह बन सकता है। जाहिर तौर पर कवि सम्मेलनों के बंद दरवाजों से इतनी रचनाएं भी बाहर नहीं निकलतीं कि श्रोता के कान कुछ सुन पाएं। कम से कम राष्ट्रीय त्योहारों के अवसर पर सार्वजनिक रूप से साहित्यकारों के माध्यम कुछ तो अभिव्यक्ति ऐसी हो कि श्रोता यह 'भाषा विभाग' कह पाएं। कम से कम कलाकारों ने अपनी साधना से सार्वजनिक मंचों पर इसलिए स्थान ग्रहण किया क्योंकि उनके प्रशंसक वहां मौजूद थे। ये हिमाचली गीत-संगीत की परंपराओं का संरक्षण करते हुए अपनी विधा के पैगंबर बने, वरना लगातार तौहीन के कारण आज यह अवसर न आता कि कुछ संध्याएं उन्हें मिल पातीं। संस्कृति की समीक्षा बैठक अगर समारोहों के कुल व्यय की तैंतीस प्रतिशत पूंजी को स्थानीय कलाकारों के नाम कर रही है, तो यह फार्मूला एक राह दिखाने लगा है। हम यह तो नहीं कह सकते कि यही अंतिम अधिकार या न्याय है, फिर भी कला पारिश्रमिक की एक शुरुआत तो जरूर होगी। इस संदर्भ में पूरी समारोह संस्कृति को एक सांचे की कसावट और बनावट में ढालना पड़ेगा ताकि मेले, सांस्कृतिक समारोह और धार्मिक आयोजन एक पैरामीटर और व्यवस्था के तहत पारदर्शिता के साथ जवाबदेह हों। अभी तक न तो इनमें निरंतरता आ रही है और न ही इनकी क्षमता का मूल्यांकन हो रहा है। जहां और जब कभी सियासत का पलड़ा भारी होता है, ये सांस्कृतिक समारोह भी एक दुर्ग के मानिंद अपना नाच दिखाते हैं और हास्यास्पद स्थिति यह कि पड़ोसी राज्यों के गायकों को बिना किसी परिपाटी या दिशा-निर्देशों के ही अधिकतम पारिश्रमिक से नवाजा जाता है। ऐसे में अब जरूरी हो गया है कि राज्य स्तरीय मेला एवं उत्सव विकास प्राधिकरण का गठन करके तमाम आयोजनों के आय-व्यय को स्थायी दिशा-निर्देशों व जवाबदेह व्यवस्था के तहत संचालित किया जाए। कला का प्रदर्शन केवल गायन या नृत्य ही नहीं, बल्कि कामेडी, हास्य-व्यंग्य रचनाएं, लोक कलाएं, खानपान, पुस्तक मेले तथा नाट्य शैलियां भी हो सकती हैं। आश्चर्य यह कि राजनेताओं की पर्चियों पर कलाकारों का चयन होने लगा है, जबकि मेला एवं उत्सव विकास प्राधिकरण के तहत कलाकारों के वर्गीकरण एवं चयन की एक पद्धति स्थापित करनी चाहिए और इसी के अनुरूप सभी कलाकारों के साथ वार्षिक कांट्रैक्ट होना चाहिए। किस कलाकार को साल में कितने अवसर किस पारिश्रमिक दर से मिलेंगे, यह तय करने की जरूरत है।

हिंदू आचार संहिता का पालन करें सभी हिंदू : अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

परम धर्म संसद में हिंदू शब्द विचार एवं हिंदू आचार संहिता विषय पर चर्चा चली

महाकुंभ नगर (हिंस)। जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की मौजूदगी में बुधवार को परम धर्म संसद में प्रश्नोत्तर काल के बाद विचार हुआ कि हिंदू शब्द को परिभाषित करने के पीछे का कारण भ्रांति निर्मूलन है। भारत के विभाजन के समय हिंदू शब्द के दुष्प्रचार से कई लोगों ने अपने को हिंदू न गिनवाकर आर्य आदि गिनवाया, फलस्वरूप हिंदुओं की संख्या कम होने पर पंजाब का वह प्रांत जो हिन्दुस्थान में रहना चाहिए था, पाकिस्तान में चला गया। अत: हिंदू शब्द को आधुनिक या विदेशियों की देन समझने वालों के आक्षेप या भ्रांति का निरसन करना अत्यावश्यक है। हिंदू शब्द प्राचीन ही नहीं वेदों को भी मान्य है। वेदों तत्पश्चात् स्मृतियों, पुराणों एवं तंत्र साहित्य में भी परिलक्षित-परिभाषित हुआ है। उन्होंने कहा कि परमधर्म संसद समस्त सनातन वैदिक हिंदू आर्य परमधर्म के मानने वालों के लिए यह परमधर्मादेश जारी करती है कि-हिंदू शब्द वैदिक है और वेदों से ही व्युत्पन्न हुआ है। एक मात्र हिंद संस्कृति में ही यज्ञ यागादि सर्वविध इष्टापूर्त संबंधी अनुष्ठानों में, श्राद्धादि पितृकार्य में, आयुर्वेदिक उपचारों में सवत्सा गायका वत्सपान अवशिष्ट दूध ही ग्राह्य माना जाता है। अन्य लोग तो केवल दूध मात्र के इच्छुक हैं फिर चाहे वह पशु को डरा-धमका कर अथवा मशीनों के द्वारा ही बलात् क्यों न सूता गया हो। *हिङ्कृण्वती दुहाम्* शब्दोंमें वत्सदर्शनसंजातहर्षा-अतएव प्रसन्नता सूचक *हिं हिं* शब्द करती हुई गायका दोहन करने वाली हिंद जातिका निर्वचन पूर्वक हिं-दु शब्द बना है। हिंकार करती गाय को दुहने वाली जाति हिंदू है। हिंसा से जो दु:खित होता है, सदाचार के लिए जो तत्पर है ऐसे गाय, वेद और प्रतिमा की सेवा करने वाले वर्णाश्रमधर्मी हिंदू हैं। अत: हिंदू वह है जो हिंसा से दूर रहे, सदाचार में तत्पर हो, गो सेवक, वेदनिष्ठ, मूर्तिपूजा में श्रद्धान्वित और वर्णाश्रम पालक हो- हिंसया दूयते यश्च सदाचरण तत्पर:। गो-वेद-प्रतिमा-सेवी स हिन्दुमुखवर्णभाक्। वृद्ध-स्मृति तैत्तिरीय उपनिषद की

शिक्षावल्ली 1.11 आधारित सनातन वैदिक हिंदू धर्मकी आचार संहिता, जिसमें आचार्य स्नातक को माता-पिता-आचार्य-अतिथि को देव मानकर उनकी सेवा करने का, आचार्य के अनिंदनीय कार्य का अनुसरण करने का तथा वर्णोचित कन्या का परिग्रहण कर गृहस्थ धर्म में प्रवेश कर प्रजातंतु के संवाहक बनने का; यज्ञ-यज्ञादिसे देवताओं को, श्राद्धादि से पितरों को, वेदाध्ययन अध्यापन से ऋषियों के प्रति कर्तव्य का निर्वहन करने का उपदेश करते हैं। यह हिंदुओं की आचार संहिता का मूल है। हिंदुओं को इसी अनुसार वेद, स्मृति और सदाचार के अनुसार आचरण करना चाहिए। हिंदू धर्म के दो रूप हैं- सामान्य और विशेष। हर हिंदू को सामान्य धर्मों का पालन करने के साथ-साथ अपना नाम, अपने पिता, दादा आदि का नाम, आस्पद, गोत्र, प्रवर, वेद, शाखा, शिखा, सूत्र, कुलदेवी-देवता आदि की जानकारी होना, कम से कम (कण्ठी या जनेऊ) एक संस्कार करवाना, तिलक चोटी धारण करना और हिंदू तिथि से मनाए जाने वाले अपने पर्व/उत्सव ही मनाया जाना अनिवार्य है। सदन में दयाशंकर जी महाराज, आशु पांडे जी, संजय जैन जी, विदिशा मध्यप्रदेश से अशोक कुमार जी व अन्य कई धर्मांसदों ने चर्चा में भाग लिया। प्रश्न काल में उठाए गए प्रश्नों का समाधान परमाराध्य ने किया। अतिथि वक्ता के रूप में हिन्दी भाषा में कई ग्रंथ लिखने वाले कमलेश कमल, गोभक्त गोकृपाकांक्षी गोपाल मणि जी महाराज, गुजरात से गायों के पेरोकार जी के पोपट, जिन्होंने गायों को बूचड़खाने से बचाने के लिए 700 से ज्यादा केस लड़े हैं व संस्कृत महाविद्यालय के प्राद्यापक वाराणसी से कमला कांत त्रिपाठी ने भी अपने विचार रखे।

महाकुंभ में मौनी अमावस्या की युद्धस्तर पर करें तैयारी : मुख्यमंत्री

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के अवसर पर 8-10 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम स्नान की संभावना के दृष्टिगत व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाए जाने के निर्देश दिए हैं। शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बीते 03 दिनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के दो प्रमुख स्नान पर्वों पर 06 करोड़ से अधिक लोगों ने त्रिवेणी स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त किया। आगामी 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के अवसर पर 8-10 करोड़ लोगों के आगमन की संभावना है। ऐसे में व्यवस्थाओं को और बेहतर करने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि रेलवे के साथ संवाद बनाकर महाकुंभ स्पेशन ट्रेनों का समयबद्ध आवागमन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि नियमित और विशेष ट्रेनों का संचालन लगातार किया जाता रहे। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए इनकी संख्या को बढ़ाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने मेला क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क को और बेहतर करने की जरूरत भी बताई, साथ ही बसों, शटल बसों और इलेक्ट्रिक बसों का संचालन लगातार कराए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शौचालयों की नियमित सफाई की जाए, घाटों की बेरिकेडिंग हो और सभी सेक्टरों में 24म7 बिजली और पेयजल आपूर्ति की जानी चाहिए। बैठक में मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक, प्रमुख सचिव गृह व सूचना, प्रमुख सचिव नगर विकास, चेयरमैन पॉवर कॉर्पोरेशन और निदेशक सूचना सहित अनेक अधिकारियों की उपस्थिति रही।

विस की तैयारी को लेकर युवा कांग्रेस की बैठक

भागलपुर (हिंस)। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर बुधवार को भागलपुर जिला कांग्रेस भवन में भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस की कोर कमिटी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीबदास, बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रभारी सम्राट केसरी, प्रदेश उपाध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी सहित कई पदधारकों और कार्यकर्ताओं ने शिरकत किया। मौके पर आशुतोष त्रिपाठी ने कहा कि भागलपुर में युवा कांग्रेस के द्वारा लोकसभा चुनाव में कड़ी मेहनत की गई थी। लेकिन परिणाम मेहनत के अनुरूप नहीं मिला।

आरपीएससी ने जारी किए आरएएस परीक्षा ऑनलाइन विस्तृत आवेदन-पत्र दिशा निर्देश

अजमेर (हिंस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा बुधवार को आरएएस व आरटीएस संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2023 के ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र भरने संबंधी विशेष दिशा निर्देश जारी किए है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षा के 2 जनवरी 2025 को घोषित मुख्य परीक्षा परिणाम में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों से ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र और सेवा प्राथमिकता क्रम 11 से 17 जनवरी 2025 तक भरवाए जा रहे है। ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र भरते समय कतिपय अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त अभ्यावेदन के संबंध में कुछ निर्देश दिए गए है। अभ्यर्थी को ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र के पद कोड व क्रम संख्या कॉलम में 0 अथवा 1 अंकित करना है। ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र का बिंदु संख्या 16-जिन अभ्यर्थियों ने उक्त पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय विशेष श्रेणी के वर्ग आरजी, एनजीई, डीसी, एमई का विकल्य भरा है, ऐसे अभ्यर्थियों से ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र के बिंदु संख्या 16 में सेवा का विवरण भरना है। चूंकि उक्त विशेष श्रेणी के लिए केवल राजस्थान सरकार के कर्मचारी ही पात्र होते हैं इसलिए राजस्थान सरकार द्वारा जारी एंप्लोयी आईडी ही स्वीकार्य है जो अभ्यर्थी राजस्थान सरकार के कर्मचारी नहीं होकर केंद्र सरकार या अन्य राज्य सरकार या अन्य विभागों के कर्मचारी हैं तथा उक्त विशेष श्रेणी का विकल्प चुना है ऐसे अभ्यर्थी एंप्लोयी आईडी की फील्ड (कॉलम) में (एक्सएक्सएक्सएक्स111122223333) भरें। ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने किसी भी सेवा के कर्मचारी नहीं के उपरांत भी उक्त विशेष श्रेणी का विकल्प चुना है ऐसे अभ्यर्थी उक्तानुसार एंप्लोयी आईडी की फील्ड (कॉलम) में (एक्सएक्सएक्सएक्स111122223333) का अंकन करते हुए शेष अनिवार्य फील्ड (कॉलम) में वर्णमाला अक्षर (ककककक) / अंक (12345)/दिनांक (01/01/2025) भरते हुए कॉलम की पूर्ति करेंगे।

लोकसभा की तरह विधानसभा की कार्रवाई होगी एआई बेस डिजिटल

विस अध्यक्ष ने अधिकारियों के साथ देखी डिजिटलाइजेशन पर प्रस्तुति

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण लोक सभा की तर्ज पर हरियाणा विधान सभा के वीडियो रिकॉर्ड को डिजिटलाइजेशन करने की प्रक्रिया पर मंथन शुरू कर दिया है। यह डिजिटलाइजेशन एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) पर आधारित होगा, जिससे किसी भी विषय या विधायक से संबंधित वीडियो क्लिप आसानी से ढूंढी जा सकेंगी। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने बुधवार को इसको लेकर विधान सभा के अधिकारियों व नेवा टीम के साथ बैठक की। बैठक में एक निजी एआई कंपनी के विशेषज्ञ भी शामिल रहे। इन विशेषज्ञों ने एआई

डाटा बेस आधारित वीडियो पर प्रेजेंटेशन भी दिया। विधान सभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने विधानसभा अधिकारियों को नई व्यवस्था विकसित करने की दिशा में काम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी नई व्यवस्था वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित की जानी चाहिए। विधान सभा सत्रों की कार्रवाई की वीडियो रिकॉर्डिंग तथा डिबेट्स की एआई के माध्यम से डिजिटल होगी तो इसका सीधा लाभ जनता को मिलेगा। विधायक अपने व पूर्ववर्ती विधायकों के अलग-अलग विषयों पर विचार सुन सकेंगे। ऐसा करने से विधायी कामकाज पर शोध करने वाले शोधार्थियों की जरूरतें भी पूरी हो सकेंगी। कल्याण ने कहा कि विधानसभा सीधे तौर पर जनता के लिए जिम्मेदार है। इसलिए हर तथ्य जनता की पहुंच में रहना चाहिए।

हिसार की बेटी मीनू का महिला खो खो वर्ल्ड कप 2025 में जलवा

भारत ने दक्षिण कोरिया को 157 प्वाइंट से हराया

हिसार (हिंस)। दिल्ली में चल रहे खो खो विश्व कप 2025 में भारत की महिला टीम में हरियाणा की एकमात्र खिलाड़ी जिले के गांव बिठमढ़ा की बेटी मीनू धत्तरवाल ने पहले मैच में अपना जलवा दिखा दिया। उसने अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को विजय दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत की जीत से मीनू धत्तरवाल के गांव बिठमढ़ा में खुशी का माहौल बना हुआ है। लोग एक दूसरे को तथा मीनू धत्तरवाल को फोन पर बधाई दे रहे हैं। मीनू धत्तरवाल ने बुधवार को बताया कि महिला खो खो वर्ल्ड कप 2025 में 4 ग्ररुपों में मैच चल रहे हैं। जिसमें भारत ए ग्ररुप में शामिल है। ग्ररुप ए में भारत, दक्षिण कोरिया, ईरान व मलेशिया शामिल है। खो खो मैच ग्ररुप स्टेज से शुरू हुए हैं और 13 जनवरी से खो खो वर्ल्ड कप 2025 शुरू हुआ है। भारत का पहला मैच 14 जनवरी रात को दक्षिण कोरिया के साथ हुआ। जिसमें दक्षिण कोरिया ने 18 प्वाइंट बनाए जबकि भारत ने 175 का ब ?ा स्कोर बना दिया। भारत 157 प्वाइंट के साथ विजयी हो गया। मीनू धत्तरवाल ने बताया कि 17 जनवरी को क्वार्टर फाइनल मैच होगा, 18 को सेमीफाइनल मैच तथा 19 जनवरी को फाइनल मैच होगा। एसोसिएशन के मुख्य सचिव एमएस त्यागी, भारतीय कोच मुन्नी जून, जिला सेक्रेटरी मोनू दलाल व डीसीएम स्कूल सीनियर कोच राजेश दलाल ने मीनू धत्तरवाल द्वारा मैच में किये गए शानदार प्रदर्शन की सराहना की और पूरी टीम को बधाई दी। डीसीएम स्कूल के चेयरमैन संजय डीसीएम ने मीनू की कड़ी मेहनत और उसके परिवार के सहयोग की सराहना की।

सरकारी नौकरी के बदले दुष्कर्म मामले की हो उच्चस्तरीय जांच : दीपेंद्र हुड्डा

रोहतक (हिंस)। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ गैंगरेप के गंभीर आरोपों में एफआईआर दर्ज होने से चाल, चरित्र, चेहरे की बात करने वाली भाजपा का असली चेहरा उजागर हो गया है। उन्होंने बुधवार को रोहतक में कई कार्यक्रमों में शिरकत की। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि ये सरकारी नौकरी के बदले दुष्कर्म प्रकरण है। इस मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए और भारतीय जनता पार्टी को देश की महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस घटना से साबित होता है कि न भाजपा की चाल ठीक है न चरित्र ठीक है न ही चेहरा ठीक है, क्योंकि, जिस व्यक्ति के खिलाफ गैंगरेप के गंभीर आरोपों में एफआईआर दर्ज हुई है वो हरियाणा में भाजपा का

प्रमुख चेहरा है और जब चेहरा ऐसा है तो चाल चरित्र कैसा होगा इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ नारे की असलियत एक बार फिर दिखायी दे रही है। ऐसा लगता है कि भाजपा नेताओं से ही बेटियों को बचाओ। उन्होंने मांग करी कि इस बात की भी जांच होनी चाहिए कि ये मामला किस-किस के संज्ञान में था, कौन-कौन साथ था और कौन-कौन बचाने में शामिल था। इससे पहले दीपेंद्र हुड्डा आज दिल्ली में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस मुख्यालय के नये भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने उत्तर पश्चिम दिल्ली की रिठाला विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी सुशांत मिश्रा के नामांकन कार्यक्रम में पहुंच कर अपना समर्थन दिया। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में बीजेपी सरकार अपने काम के आधार पर नहीं बल्कि झूठ, दुष्प्रचार, भ्रामक प्रचार की बुनियाद पर बनी है। झूठ, दुष्प्रचार और भ्रामक प्रचार से जनता को बहकाने में विश्वास करती हैं और उसकी इसी विचारधारा के खिलाफ हमारी लड़ाई है।

बजट की तैयारी : गुरुवार से अलग अलग संगठनों के साथ होगा संवाद

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और वित्त मंत्री दीया कुमारी अलग-अलग वर्गों से बजट पूर्व संवाद करके सुझाव आमंत्रित कर रहे हैं। इसी दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विभिन्न वर्गों के साथ 16 से 22 जनवरी तक बजट पूर्व संवाद कर उनके सुझाव लेंगे। इस क्रम में गुरुवार 16 जनवरी को राज्य के कर्मचारी संगठनों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। उल्लेखनीय है कि भजनलाल सरकार अपने पहले कार्यकाल का दूसरा पूर्ण बजट पेश करने जा रही है। विधानसभा सत्र 31 जनवरी से शुरू हो रहा है। संभावना जताई जा रही है कि आठ से दस फरवरी के बीच में सरकार अपना बजट पेश करेगी। विकसित राजस्थान 2047 के ध्येय के साथ सरकार आगामी राज्य बजट वर्ष 2025-26 की रूपरेखा तैयार कर रही है। राज्य सरकार की नीतियों और विजन को कर्मचारी ही धरातल पर मूर्त रूप देते हैं। इस क्रम में 16 जनवरी को राज्य के कर्मचारी संगठनों के साथ महत्वपूर्ण बैठक होगी। इस बैठक में कर्मचारियों से आगामी बजट को लेकर सुझाव लिए जाएंगे।

नर्सेज का प्रदर्शन : सद्बुद्धि देने के लिए किया हनुमान चालीसा का पाठ

जोधपुर (हिंस)। अर्जेंट टेंपरेरी बेसेज (यूटीबी) पर कार्यरत नर्सिंग अधिकारियों की सेवा विस्तार का आदेश नहीं आने तथा रिक्त पदों पर समायोजन प्राचार्य स्तर पर नहीं होने पर डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज में धरना बुधवार को भी जारी रहा। आज भी राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन जोधपुर शहर के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। तीसरे दिन प्रशासन की सद्बुद्धि देने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। अध्यक्ष जगदीश जाट ने बताया कि आज सभी नर्सिंग संगठनों ने समर्थन आकर दिया। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन अध्यक्ष विजेंद्र सिंह मेड़तिया, राजस्थान नर्सेज यूनियन संजय चौधरी तथा सभी पदाधिकारी ने भाग लिया। इस दौरान पूरे दिन नारेबाजी और प्रदर्शन चलता रहा। सभी कर्मचारियों ने सड़क पर बैठ कर ही खाना खाया। उन्होंने बताया कि प्राचार्य डॉ. बीएस जोधा को ज्ञापन सौंप कर चिकित्सा आयुक्त को पत्र लिखा गया है जिसमें इनकी सेवा को अति आवश्यक लिख कर एक्सटेंशन मांगा है। जाट ने बताया कि नए नर्सिंग अधिकारी मिलने के बाद कई अस्पतालों में पूर्व

से पदस्थापित यूटीबी नर्सिंग अधिकारियों को हटा दिया गया है। हालांकि यहां अभी भी कई सैकड़ों पद रिक्त है। कुछ दिन पहले मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल व नियंत्रक डॉ. बीएस जोधा ने उन्हें वापस पदस्थापित करने का आश्वासन दिया था। इसके बावजूद अस्पताल में कार्यरत यूटीबी नर्सिंग कर्मचारियों को हटा दिया गया है। इसको लेकर धरना प्रदर्शन किया जा रहा है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा लोहिया स्वच्छ मिशन योजना

भागलपुर (हिंस)। जिले के सन्हौला प्रखंड के सिलहन खजुरिया पंचायत में लोहिया स्वच्छ मिशन योजना भ्रष्टाचार की भेट चढ़ गया है। स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत शहर की तरह गांवों को स्वच्छ और साफ-सुथरा बनाने की जो योजना सरकार द्वारा बनाई गई थी, लेकिन यह योजना सिलहन खजुरिया पंचायत में पूरी तरह से विफल होती नजर आ रही है। पंचायत के कई ऐसे वार्ड हैं जहां अभी तक हर घर में गीला और सूखा कचरा रखने के लिए डस्टबिन का वितरण तक नहीं किया गया है। न ही पंचायत के मुख्य चौक-चौराहों पर सामूहिक डस्टबिन की दिया है। इसके बावजूद, आज यानी बुधवार को सन्हौला प्रखंड विकास पदाधिकारी और पंचायत मुखिया ने खजुरिया गांव के बाहर बनाए गए डब्ल्यूपीओ (वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट)

का उद्घाटन नारियल फोड़ कर एवं फीता काटकर कर दिया। वार्ड नंबर 12 के वार्ड सदस्य सिरधारी पासवान ने कहा कि सरकारी पैसे की बंदरबांट किया गया। हमलोग इसकी लिखित शिकायत जिला पदाधिकारी एवं 2 फरवरी को जब प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भागलपुर आएंगे तो हम लोग सभी वार्ड लिखित रूप से आवेदन पत्र देकर शिकायत करेंगे। उन्होंने कहा कि पंचायत में खरीदे गए ई रिक्शा, पैडल बाला ठेला एवं डस्टबिन भी निम्न क्वालिटी के हैं। अधिक कमीशन के चक्कर में घटिया सामग्री की खरीदारी की गई है। सिलहन खजुरिया पंचायत के ग्रामीणों ने इस भ्रष्टाचार पर गहरी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच पा रहा है। वे मांग कर रहे हैं कि इस मामले की जांच हो और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

महाकुंभ : *संस्कृति का महाकुंभ* आज से शुरू

काशी के ऋत्विक सान्याल के शास्त्रीय गायन से होगा शुभारंभ-आल्हा बिरहा

महाकुंभ नगर (हिंस)। महाकुंभ में 16 जनवरी से 24 फरवरी तक *संस्कृति का महाकुंभ* होगा। मुख्य मंच गंगा पंडाल का होगा, जिसमें देश के नामचीन कलाकार भारतीय संस्कृति का प्रवाह करेंगे। इसके अतिरिक्त यमुना एवं सरस्वती पंडाल में भी 16 जनवरी से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारम्भ होंगे। त्रिवेणी पंडाल में 21 जनवरी से अनवरत सांस्कृतिक सुरों का संगम होगा। 16 जनवरी को गंगा पंडाल में बॉलीवुड सिंगर शंकर महादेवन के सुरों की गंगा में श्रोता आनंद की डुबकी लगाएंगे तो यमुना पंडाल में काशी के संस्कृत विद्यालय के विद्यार्थी मंगला चरण से ईश्वर के चरणों में श्रद्धा निवेदित करेंगे। पहले दिन सरस्वती पंडाल पर नौटंकी विधा से भी श्रद्धालु परिचित होंगे। पद्मश्री रामदयाल शर्मा 30 सदस्यीय टीम के साथ कृष्ण सुदामा की मित्रता को दर्शकों के सामने प्रस्तुत करेंगे। भक्ति व विरासत के इस उत्सव में गंगा पंडाल का मंच मुख्य होगा। 10, 000 दर्शकों की क्षमता के लिए सेक्टर-1 के परेड ग्राउंड में गंगा पंडाल बनाया गया है। यह भारत के प्रसिद्ध कलाकारों की भव्य प्रस्तुतियों का केंद्र है। इसके अलावा दो हजार दर्शकों की क्षमता वाला त्रिवेणी, यमुना व सरस्वती पंडाल बनाया गया है। हां भी मेजबान उत्तर प्रदेश समेत देश के नामचीन कलाकार अनेक विधाओं में अपनी प्रस्तुति देंगे। 16 जनवरी को होने गंगा पंडाल में होने वाले मुख्य कार्यक्रम में प्रो. ऋत्विक सान्याल (वाराणसी) का शास्त्रीय-उप शास्त्रीय गायन, विचत्रानंदा स्वेन (भुवनेश्वर) ओडिशी नृत्य, कुशल दास (कोलकाता) सितार, शंकर महादेवन (मुम्बई) व रविशंकर (उप्र), भजन-सुगम संगीत होगा। यमुना पंडाल में संस्कृत विद्यालय वाराणसी के बच्चों द्वारा मंगलाचरण, सान्या पाटनकर (राजस्थान) शास्त्रीय गायन, सहीराम पांडेय (गोंडा) आल्हा गायन, सरिता मिश्रा (लखनऊ) लोकगायन, रामप्रसाद (प्रयागराज) बिरहा गायन, पीयूषा कैलाश अनुज (दिल्ली) भजन, आरुषी मुद्गल (दिल्ली) ओडिशी नृत्य एवं अमरजीत (सोनभद्र) जनजाति लोकनृत्य होगा। सरस्वती पंडाल में सौरभ बनौधा (सोनभद्र) बंसी वाद्यवृंद, श्वेता दुबे (वाराणसी) भजन गायन, श्रुति मालवीय (लखनऊ) भजन-लोकगायन एवं पद्मश्री रामदयाल शर्मा (दिल्ली) कृष्ण सुदामा नौटंकी होगी।

सिकरहना तटबंध रोको संघर्ष समिति ने सुगौली में किया विशाल आम सभा का आयोजन

पूर्वी चंपारण (हिंस)। सिकरहना नदी पर बनाए जा रहे तटबंध के विरोध में बुधवार को सुगौली स्थित डाकबंगला मैदान में हजारों किसानों ने सिकरहना तटबंध रोको संघर्ष समिति के बैनर तले विशाल आमसभा का आयोजन किया, जिसमे बंजरिया व सुगौली प्रखंड के साथ मोतिहारी सदर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधि व आम लोग शामिल हुए। सभा की अध्यक्षता आरिफ हुसैन ने किया, जबकि सभा का संचालन मधुमालती निवासी मनोज यादव ने किया। बैठक को संबोधित करते पूर्व मंत्री सह भाजपा के वरिष्ठ नेता रामचंद्र सहनी ने कहा कि तटबंध बनाने का

सरकार का निर्णय अमानवीय है। इससे जान माल की भारी क्षति होगी। खेती लायक जमीन बंजर हो जाएगी। पूर्व मंत्री सह विधायक डॉ. शमीम अहमद ने कहा कि तटबंध से लाखों लोग विस्थापित होंगे। कई गांव के बड़ी आबादी डुब जाएगी। चार दशक पूर्व तटबंध बनाने की परिकल्पना हुई थी, जिसे धरातल पर अब उतारा जा रहा है। जबकि इतने दिनो में भौगौलिक स्थिति बदल चुकी है। आम सभा को संबोधित करते कल्याणपुर विधायक मनोज यादव ने कहा कि बांध को हर हाल रुकवाने का कार्य करेंगे। विधायक ई. शशि भूषण सिंह ने कहा की इस बांध से आम जनो को फायदा कुछ नहीं सिर्फ नुकसान ही नुकसान है, इसी लिए हम लोगो का इस बांध को रोकने के लिए हर संभव कोशिश जारी रहेगा।

राजस्थान हाईकोर्ट अनिश्चितकाल तक किसी व्यक्ति को हिरासत में नहीं रखा जा सकता

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अनिश्चितकाल तक किसी भी व्यक्ति को हिरासत में नहीं रखा जा सकता। जब तक कोर्ट द्वारा किसी आरोपी को दोषी करार नहीं दिया जाता है तब तक वह निर्दोष ही माना जाएगा। दरअसल हत्या के आरोपों में विचाराधीन अभियुक्त गजेंद्र सिंह ने अपनी अधिवक्ता दीपिका सोनी के जरिए हाईकोर्ट में जमानत याचिका प्रस्तुत की। जिस पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश फरजंद अली ने आदेश पारित करते हुए स्पष्ट लिखा कि अनिश्चित काल तक किसी व्यक्ति को हिरासत में नहीं रखा जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि मुकदमे की धीमी गति से प्रगति को देखते हुए इसमें अभी भी समय लगेगा।

आईटीसी ने भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए डीपीआईआईटी के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने भारत के अग्रणी व्यापार समूहों में से एक आईटीसी लिमिटेड के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी की है। डीपीआईआईटी ने उद्यमिता और नवाचार को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने के लिए यह अहम कदम उठाया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि यह समझौता ज्ञापन (एमओयू) विशेष रूप से गतिशील साझेदारी का माहौल तैयार करेगा, जिसमें आईटीसी के व्यापक बाजार नेटवर्क के विशाल अनुभव और विशेषज्ञता देशभर में स्टार्टअप्स को सहयोग देने में डीपीआईआईटी की पहल का पूरक बनेगी। यह सहयोग देशभर में स्टार्टअप्स के लिए सुगठित बाजार सृजित करने और स्टार्टअप विकास तथा तकनीकी प्रगति में तेजी लाने के साझा दृष्टिकोण के अनुरूप है।

मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि इस साझेदारी के तहत आईटीसी, विनिर्माण निष्पादन प्रणालियों (एमईएस) के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म, विनिर्माण स्थलों के लिए नवीकरणीय ऊर्जा अवसरों का संयोजन, ऊर्जा भंडारण प्रणालियों आदि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में स्टार्टअप समाधान उपलब्ध कराएगा। इस सहयोग का उद्देश्य देशभर में स्टार्टअप के लिए उद्यमिता, तकनीकी उन्नति और बाजार के अवसरों को बढ़ावा देना है। इस प्रो-स्टार्टअप पहल के बारे में डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि यह भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों जैसे स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के साथ संरेखित है। इसके अलावा यह नवाचार-आधारित उद्यमिता द्वारा समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देकर विजन 2047 की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

न्यूज़ ब्रीफ

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिका में खुदरा महंगाई के आंकड़े आने वाले हैं। इसके पहले अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निवेशक सतर्क होकर कारोबार करते नजर आए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,842.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,578.23 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,201.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,423.67 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 138.48 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ 20,271.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अब पीएफ कर्मचारी खुद सेल्फ-अटेस्टेशन के जरिए कर सकेंगे केवाईसी

नई दिल्ली। एंप्लॉयी प्रॉविडेंट फंड (ईपीएफ) के सब्सक्राइबर्स के लिए अहम बदलाव होने वाले हैं। अब कर्मचारियों को पीएफ केवाईसी कराने के लिए एचआर डिपार्टमेंट से अप्रूवल की

जरूरत नहीं होगी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने घोषणा की है कि जून 2025 से वह कर्मचारी खुद से सेल्फ-अटेस्टेशन के जरिए केवाईसी कर सकेंगे, जिससे कंपनी के चक्कर काटने नहीं पड़ेंगे। इस बदलाव से पीएफ से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसान बनाया जाएगा, खासकर तब जब कंपनियां बंद हो जाती हैं और केवाईसी की वजह से पीएफ क्लेम अटक जाते हैं। यह कदम ईपीएफओ 3.0 का हिस्सा होगा, जो इस साल लॉन्च किया जाएगा। इस नई योजना में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा और रोजगार आधारित योजनाओं को भी शामिल किया जाएगा, जिससे ईपीएफओ का कामकाज और भी आसान होगा। ईपीएफओ 3.0 के लॉन्च से अनुमान लगाया है कि पीएफ सब्सक्राइबर्स की संख्या में बढ़ोतरी होगी, जो वर्तमान में करीब आठ करोड़ है और यह 10 करोड़ तक पहुंच सकती है। इसके अलावा फंड निकालने की प्रक्रिया भी सरल हो जाएगी। ईपीएफओ के नए नियमों के तहत बैंकों के साथ मिलकर सब्सक्राइबर्स को एक तय सीमा तक बिना किसी आवेदन के सीधे अपने खाते से फंड निकालने की सुविधा दी जा सकती है, जिससे पीएफ के सब्सक्राइबर्स को अपनी मेहनत की कमाई निकालने में आसानी होगी।

अमेरिकी एसईसी ने ट्विटर के स्वामित्व हिस्सेदारी के विलंबित प्रकटीकरण को लेकर एलन मस्क पर केस दर्ज किया

नई दिल्ली। दुनिया के दिग्गज अरबपति एलन मस्क डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ

ग्रहण से कुछ ही दिन पहले अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) द्वारा कानूनी जांच के घेरे में आ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क ने साल 2022 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) का अधिग्रहण किया था। हालांकि, अब उस डील को लेकर एलन मस्क मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। अमेरिका के बाजार के नियामक आयोग सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) ने एलन मस्क के खिलाफ मुकदमा दायर कराया है। एसईसी का आरोप है कि एलन मस्क ने एक्स खरीदने से पहले ही उसके शेयर खरीद लिये थे, लेकिन मस्क ने एसईसी को इस बात की जानकारी नहीं दी थी। नियमों के उल्लंघन के चलते एसईसी ने एलन मस्क के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। एलन मस्क ने साल 2022 की शुरुआत से ही ट्विटर के शेयर खरीदने शुरू कर दिए थे। रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2022 तक एलन मस्क के पास ट्विटर के 5 फीसदी से ज्यादा शेयर थे। शिकायत में कहा गया है कि एलन मस्क ने 4 अप्रैल तक इसका खुलासा नहीं किया था, जो नियमों का उल्लंघन है। मस्क ने अक्टूबर 2022 में ट्विटर का अधिग्रहण किया और बाद में उसका नाम बदलकर 'एक्स' कर दिया था।

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

निवेशकों को 1 दिन के कारोबार से 1.18 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच लगातार खींचतान चलती रही। इस खींचतान की वजह से शेयर बाजार कुछ देर के लिए लाल निशान में भी पहुंचा, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली करके उसे दोबारा हरे निशान में पहुंचा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.29 प्रतिशत और निफ्टी 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिनभर के कारोबार के दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर, पीएसई और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, मेटल, एनर्जी, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर ऑटोमोबाइल फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आमतौर पर लिवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.34 प्रतिशत की तेजी के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 424.41 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 423.23 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 1.18 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,064 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,150 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,806 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 108 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,515 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,371 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,144 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 26 शेयर हरे निशान में और 24 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 400.51 अंक उछल कर 76,900.14 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 491.42 अंक की तेजी के साथ 76,991.05 अंक तक पहुंचा। वहीं, बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक 19.93 अंक की कमजोरी के साथ 76,479.70 अंक तक गिर भी गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 224.45 अंक की मजबूती के साथ 76,724.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने 74.40 अंक की बढ़त के साथ 23,250.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल ऊपर-नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 117.60 अंक की तेजी के साथ 23,293.65 अंक तक पहुंचा। दूसरी ओर, बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक 29.60 अंक की गिरावट के साथ 23,146.45 अंक तक लुढ़क भी गया। दिनभर की खरीद के बाद निफ्टी 37.15 अंक की मजबूती के साथ 23,213.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार में हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ट्रेंट लिमिटेड 3.72 प्रतिशत, एनटीपीसी 3.53 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 2.89 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा 2.23 प्रतिशत और मारुति सुजुकी 1.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.93 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 2.44 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 2.36 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 2.15 प्रतिशत और श्रीराम फाइनेंस 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

एचडीएफसी एएमसी के शेयरों में आया उछाल, ब्रोकरेज ने कहा जमकर करें खरीदारी

नई दिल्ली

एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी के शेयरों में बुधवार को उछाल आया। कंपनी ने शेयर शुरुआती कारोबार में 5 फीसदी से ज्यादा चढ़े। इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 0.59 फीसदी चढ़कर 76,947 पर कारोबार किया। तीसरी तिमाही में अच्छे नतीजों के दम पर कंपनी के शेयरों में यह उछाल देखने को मिला है।

एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार बंद होने के बाद तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। कंपनी ने बताया कि दिसंबर तिमाही में उसका मुनाफा सालाना आधार पर 31 फीसदी से बढ़कर 641 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

ऑपरेशन से होने वाली कमाई भी सालाना आधार पर 39 फीसदी बढ़कर 671.32 करोड़ रुपए हो गई है। मजबूत तिमाही नतीजों को देखते हुए ज्यादातर ब्रोकरेज कंपनियों ने इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजी अपडेट करते हुए एचडीएफसी एएमसी का टारगेट प्राइस बढ़ा दिया है। साथ ही स्टॉक में

कंपनी का मुनाफा 31 फीसदी से बढ़कर 641 करोड़ रुपए पर पहुंच गया

खरीदारी करने की सलाह देते हुए 35 फीसदी तक के अपसाइड रिटर्न का अनुमान जताया है।

ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने एचडीएफसी असेट मैनेजमेंट कंपनी पर अपनी रेटिंग को बरकरार रखते हुए खरीदने की सलाह दी है।

ब्रोकरेज ने इसके लिए 5200 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है। कंपनी के शेयर मंगलवार को 2 फीसदी चढ़कर 3863 रुपए पर बंद हुए। इस तरह शेयर लॉन्ग टर्म में 35 फीसदी का अपसाइड रिटर्न दे सकते हैं। ब्रोकरेज के मुताबिक ओवरऑल एयूएम में इक्विटी की बढ़ती हिस्सेदारी यील्ड्स में संभावित गिरावट को कम करने में मदद करेगी।

नए बिजनेस से बड़े पैमाने पर बेनिफिट्सज्हाई प्रोफिटेबिल्टी में बदल सकता है। ब्रोकरेज ने अपने अनुमानों को कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है और 5200 रुपए के टारगेट प्राइस के साथ स्टॉक पर बाय रेटिंग को बरकरार रखा है।

होरिका कुवैत सम्मेलन

कुवैत में होरिका कुवैत 2025 सम्मेलन में एक कुक स्वादिष्ट मिठाइयां और पकवान तैयार करते हुए। ये प्रदर्शनी खानपान सेवाओं और पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने लगायी गयी है।

हल्दीराम को खरीदने की दौड़ में शामिल हुई अमेरिकी कंपनी पेप्सिको

सीधे प्रमोटर अग्रवाल फैमिली से चर्चा कर रहे

मुंबई

स्नैक्स और मिठाइयां बनाने वाली दिग्गज कंपनी हल्दीराम में हिस्सेदारी खरीदने को होड़ दिलचस्प होती जा रही है। अमेरिकी दिग्गज कंपनी पेप्सिको भी हल्दीराम को खरीदने की दौड़ में शामिल हो गई है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी के अधिकारी हल्दीराम स्नैक्स फूड में हिस्सेदारी खरीदने के लिए सीधे प्रमोटर अग्रवाल फैमिली से चर्चा कर रहे हैं। पेप्सिको के अलावा सिंगापुर की कंपनी टेमासेक और अल्फा वेव ग्लोबल भी हल्दीराम में हिस्सेदारी खरीदने की होड़ में शामिल हैं। इन दोनों कंपनियों ने हल्दीराम में 10-15 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए ऑफर दिया है। सूत्रों के मुताबिक न्यूयॉर्क में पेप्सिको हेडक्वार्टर के अधिकारियों ने हाल के दिनों हल्दीराम में माइनोरिटी स्टेक खरीदने के लिए अग्रवाल परिवार के सदस्यों के साथ सीधे बात की है। हालांकि बातचीत अभी शुरुआती स्तर पर है और संभव है कि यह अंजाम तक न पहुंचे। माना जा रहा है कि अगर यह डील आगे बढ़ती है, तब इसमें फंडिंग भी अमेरिका की मूल कंपनी करेगी। पेप्सिको की भारतीय यूनिट की इसमें ज्यादा भूमिका नहीं है। अग्रवाल फैमिली 85,000-90,000 करोड़ रुपये की वैल्यूएशन की उम्मीद कर रही है।

लेज चिप्स, कुरकुरे नमकीन स्नैक्स और डोरिटोस नाचो चिप्स बनाने वाली कंपनी पेप्सिको को भारतीय स्नैक्स बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय कंपनियों और डायरेक्ट टू कंज्यूमर कंपनियों की संख्या में काफी तेजी आई है। इसमें हल्दीराम, बीकानेरवाला, बालाजी और लिस्टेड कंपनियों बीकाजी फूड्स, गोपाल स्नैक्स और प्रताप स्नैक्स शामिल हैं। साथ ही एथनिक स्नैक्स कंपनियों की भी बाजार में भरमार है। इनमें से ज्यादातर की कीमत जाने-माने ब्रांड्स के कम है। वे डायरेक्ट डिस्ट्रीब्यूशन करते हैं और रिटेलर्स को ज्यादा लाभ देते हैं। पेप्सिको की वेस्टर्न स्नैक्स मार्केट चिप्स और नाचोस में लगभग 24 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। लेकिन नमकीन, भुजिया और चना चूर जैसे लोकल स्नैक्स में कंपनी अभी भी बहुत पीछे है। यह वजह है कि कंपनी हल्दीराम को अपने साथ लाना चाहती है। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के आंकड़ों के अनुसार, पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स ने अप्रैल से दिसंबर 2023 की नौ महीने की अवधि के लिए 5,954.16 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू हासिल किया। इसी अवधि में पेप्सिको के स्नैक्स बिजनस का रेवेन्यू 4,763.29 करोड़ रुपये रहा। हल्दीराम स्नैक फूड्स ने वित्त वर्ष 2024 में 12,800 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया, जो पेप्सिको से करीब दोगुना है।

जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में होम टेक्सटाइल मेले में गिरिराज सिंह ने भारतीय मंडप का किया उद्घाटन

नई दिल्ली

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने जर्मनी के मैसे फ्रैंकफर्ट में आयोजित हेमटेक्सटाइल 2025 (होम टेक्सटाइल मेला) में भारत मंडप का उद्घाटन किया। इस अवसर पर वैश्विक घरेलू वस्त्र निर्यातकों, आयातकों और निर्माताओं को संबोधित करते हुए गिरिराज सिंह ने भारत की बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मकता और सतत विकास हासिल करने के लिए सहयोग की आवश्यकता का उल्लेख किया। सिंह ने सभी भागीदार देशों को भारत टेक्स 2025 में भाग लेने और भारत के संपन्न कपड़ा इकोसिस्टम में निवेश के अवसरों की जानकारी लेने के लिए आमंत्रित किया।

कपड़ा मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि इस आयोजन में भारत की उपस्थिति कपड़ा उद्योग जगत में देश की निरंतर बढ़ती शक्ति का प्रदर्शन कर रही है।

इस प्रतिष्ठित वैश्विक होम टेक्सटाइल मेले में सबसे बड़े भागीदार देश के साथ भारत ने नवाचार, स्थिरता और वैश्विक साझेदारी के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। कपड़ा और मशीनरी निर्माताओं के साथ निवेशकों की बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने पिछले 10 वर्षों में भारत की विकास गाथा और बढ़ते एफडीआई की जानकारी देते हुए इस बात पर जोर दिया कि मेक इन इंडिया पहल एक सिद्ध रणनीति है जो भारत को एक प्रतिस्पर्धी विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने में सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने निवेशकों को बढ़ते अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ-साथ यह सलाह भी दी कि भारत के बाजार से बाहर रहने से उनसे कुछ छूट जाने का डर हो सकता है। वैश्विक निवेशकों को आमंत्रित करते हुए उन्होंने कहा, आओ और भारत में निवेश करो- मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड। हेमटेक्सटाइल के दौरान मंत्री ने जर्मनी के मशीनरी और उपकरण निर्माता संघ और आईवीजीटी प्रमुखों से भी भेंट की। गिरिराज सिंह ने भारत के कपड़ा क्षेत्र के साथ अपने जुड़ाव को मजबूत करने का आग्रह करते हुए कहा कि भारत सबसे बड़े कपड़ा मशीनरी खरीदारों में से एक है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर जर्मन निर्माता भारत में निवेश करते हैं और मशीनरी का उत्पादन करते हैं तो यह दोनों पक्षों के लिए लाभ की स्थिति होगी। भारत में पहले से ही जर्मन के कई उद्यमियों के लाभ हासिल करने के मामले में जर्मन के एक सिलाई धागा निर्माता की सफलता का उदाहरण देते हुए

उन्होंने अन्य मशीनरी निर्माताओं को भारतीय बाजार में अपने निवेश की तलाश करने और उसका विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अपने दौरे में मंत्री ने प्रदर्शनी में विभिन्न स्टॉलों का दौरा किया तथा प्रदर्शकों से वार्तालाप करते हुए होम टेक्सटाइल में उनकी नवीनतम पेशकशों और नवाचारों के बारे में जानकारी ली। भारतीय निर्यातकों के शिल्प कौशल ने इस क्षेत्र की वैश्विक आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मंत्रालय ने कहा कि यह कार्यक्रम उद्योग जगत प्रमुखों और निर्यातकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी का साक्षी बना और यह कपड़ा उद्योग में वैश्विक अग्रणी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने के भारत के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

केंदीय मंत्री गिरिराज सिंह के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ वस्त्र मंत्रालय के अपर सचिव रोहित कंसल, जर्मनी में भारत के महावाणिज्यदूत और मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। उद्घाटन के दौरान पांच निर्यात संवर्धन परिषदों और जूट बोर्ड के प्रतिनिधि भी उपस्थि रहे जिन्होंने विविध प्रकार के उत्पादों का प्रदर्शन किया।

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए की कप्तानी करेंगे जैक एडवर्ड्स

मेलबर्न

न्यू साउथ वेल्स के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स को सिडनी में आगामी चार दिवसीय मैच में इंग्लैंड लायंस का सामना करने के लिए ऑस्ट्रेलिया ए की 12 सदस्यीय युवा टीम का कप्तान बनाया गया है, जिसमें दो अन्य तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर आरोन हार्डी और विल सदरलैंड भी शामिल हैं।

31 वर्षीय कर्टिस पैटरसन को भी 2020 के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलिया ए टीम में वापस बुलाया गया है और वह टीम में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं ने युवाओं पर जोर दिया है और अक्टूबर और नवंबर में दो चार दिवसीय मैचों में भारत ए का सामना करने वाली टीम से केवल पांच खिलाड़ियों को ही बरकरार रखा है, जिसमें जॉर्डन बकिंघम, फर्गस ओ%नील, जोश फिलिप, कोरी रोचिचियोली, ब्रेंडन डॉगेट शामिल हैं, हालांकि डॉगेट को केवल उस श्रृंखला में देर से चोट लगने पर प्रतिस्थापन के रूप में शामिल किया गया था।

मार्कस हैरिस, जिमी पीरसन या नाथन मैकएंड्रू के लिए कोई जगह नहीं थी, जिन्होंने मेलबर्न में दूसरे ऑस्ट्रेलिया ए गेम में ठोस प्रदर्शन किया था। पूर्व टेस्ट बल्लेबाज मैट रेनशॉ या पीटर हैंड्सकॉम्ब को भी नहीं चुना गया।

कैमरून बैनक्रॉफ्ट बीबीएल में कंधे की हड्डी टूटने के कारण चोटिल हो गए हैं। अनुभवी दो टेस्ट मैच खेलने वाले तेज गेंदबाज माइकल नेसर, जिन्हें एमसीजी में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मैच में हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी, को भी नहीं चुना गया है।

चयनकर्ताओं ने दिखाया कि वे भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलिया ए के मैचों में उनके प्रदर्शन को कितना महत्व देते हैं, जिसमें नाथन मैकस्वीनी, सैम कोंस्टास और ब्यू वेबस्टर को भारत ए के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद टेस्ट डेब्यू के लिए चुना गया।

मैके में भारत ए के खिलाफ 15 रन देकर 6 विकेट लेने वाले डोगेट को दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए तेज गेंदबाजी कवर के रूप में भी टेस्ट टीम में शामिल किया गया। सीए के अनुबंधित तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को मौका मिला है, जो साइड इंजरी के कारण ऑस्ट्रेलिया ए के दो मैच नहीं खेल पाए थे। उन्होंने बीबीएल ब्रेक से पहले क्वींसलैंड के लिए अपने आखिरी प्रथम श्रेणी मैच में 32 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

न्यूज ब्रीफ

सट्टेबाजी मामले में हिरासत में लिए गए सेविला के डिफेंडर सालास

मैड्रिड। सेविला के डिफेंडर किके सालास को मंगलवार को पुलिस ने हिरासत में लिया और धोखाधड़ी के संदेह में मोरोन डे ला फ्रोंटेरा शहर की अदालत में पेश किया। 22 वर्षीय किके सालास पर अवैध सट्टेबाजी के लिए जानबूझकर पीले कार्ड हासिल करने का संदेह है, साथ ही कई अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है, जो उनके परिवार और परिचितों के करीबी माने जाते हैं। स्पेन के एल कॉन्फिडेंशियल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार जांचकर्ताओं का मानना है कि सालास के परिवार और दोस्तों ने 10,000 यूरो प्रति माह जीतने के लिए लगभग 30 अलग-अलग दांव लगाए होंगे। जांच 2023-2024 सत्र के अंत में खेले गए कई मैचों पर केंद्रित है, जहां सालास को पिछले नौ मैचों में सात पीले कार्ड दिखाए गए थे, जिनमें से अधिकांश पीले कार्ड खेल के अंतिम मिनटों में आए थे। सालास ने अभियान में 23 लीग प्रदर्शनों में कुल 10 पीले कार्ड देखे, जबकि इस सीजन में उन्हें 14 प्रदर्शनों में तीन बार बुक किया गया है। खिलाड़ी ने हाल ही में सेविला के साथ 2029 तक क्लब में अपने प्रवास को बढ़ाने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, और अदालत में पेश होने के बाद, उन्होंने बाकी पहली टीम के दल के साथ प्रशिक्षण लिया।

पहलवान अमन सेहरावत ओलंपिक पदक का रंग फीका पड़ने की शिकायत करेंगे

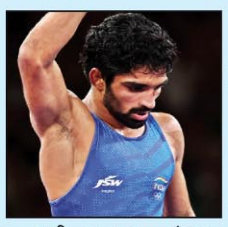

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान अमन सेहरावत ने कहा है कि पेरिस ओलंपिक में उनको मिले कांस्य पदक की चमक कम हो गयी है जिसकी अब वह आधिकारिक तौर पर शिकायत करेंगे। अमन ने ओलंपिक में पुरुषों की 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कुश्ती में कांस्य पदक जीता था। अमन के अलावा कई और खिलाड़ियों के पदक के रंग फीके होने के मामले सामने आये हैं। कुछ ने इसकी शिकायत की है, वहीं कुछ ने नहीं। वहीं 2024 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक और पैरालिंपिक के लिए पदक बनाने वाली कंपनी मोनाई डे पेरिस ने कहा कि पदकों के खराब होने की कई शिकायतों को देखते हुए वह ऐसे पदकों को बदलने के लिए तैयार है। अमन ने पदक बदलने के लिए आधिकारिक तौर पर अपनी शिकायत दर्ज नहीं कराई है। भारतीय पहलवान के एक करीबी ने कहा, अमन ने पेरिस में जो कांस्य पदक जीता था, वह दोषपूर्ण लगता है। इसका रंग फीका पड़ने लगा है पर हमने अभी तक आईओसी के साथ आधिकारिक शिकायत साझा नहीं की है। वहीं केवल चार महीनों में पेरिस 2024 ओलंपिक और पैरालंपिक खेल आयोजन समिति (कोजोप) को एथलीटों द्वारा 100 से अधिक ऐसे पदक पदक लौटाए गये हैं जिनका रंग फीका पड़ा है। ये पदक, एक लक्जरी फ्रांसीसी जौहरी चौमेट द्वारा डिजाइन किया गया था जिसे फ्रांस के सबसे प्रतिष्ठित प्रतीक एफिल टॉवर से लोहे के एक टुकड़े से सजाया गया था। प्रत्येक पदक के केंद्र में 0.6 औंस का पुडल आयरन का टुकड़ा है। पिछले साल खेलों के समापन के तत्काल बाद ही विभिन्न एथलीटों ने सोशल मीडिया के जरिये पदक खराब होने की शिकायतें की थीं।

प्रीमियर लीगः लिवरपूल ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ ड्रा खेलकर छह अंकों की बढ़त बरकरार रखी

लंदन। लिवरपूल ने मंगलवार रात नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर प्रीमियर लीग में अपनी छह अंकों की बढ़त बरकरार रखी। फॉरेस्ट के स्ट्राइकर क्रिस वुड ने अपने शानदार सत्र को जारी रखते हुए, आठवें मिनट में एक तेज जवाबी हमले के बाद बाएं पैर से गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई। लिवरपूल ने 66वें मिनट में बराबरी हासिल की, जब कोच आर्ने स्लॉट के प्रतिस्थापन ने काम किया, उन्होंने कोस्टास सिमिकास की जगह डिओगो जोटा को मैदान में उतारा, जिन्होंने मैदान में आने के एक मिनट बाद ही गोल कर लिवरपूल को 1-1 से बराबरी दिला दी। लिवरपूल ने अंतिम मिनटों में दबदबा बनाए रखा और मैच ड्रा करा लिया, इस परिणाम के साथ फॉरेस्ट ने आर्सेनल से आगे निकलकर दूसरे स्थान पर कब्जा कर लिया, हालांकि आर्सेनल अगर बुधवार को जीतता है तो लिवरपूल की बढ़त को चार अंकों तक सीमित कर सकता है। चेल्सी और बोर्नमाउथ ने 2-2 से रोमांचक ड्रा खेला, जिसमें मेहमान टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-1 की बढ़त हासिल की, इससे पहले रीस जेम्स ने 95वें मिनट में बराबरी कर ली। 14वें मिनट में चेल्सी ने वापसी की, लेकिन एंटोनी सेमेनियो पर पुश के बाद जस्टिन क्लुइवर्ट द्वारा दिए गए पेनल्टी ने 50वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया।

भारतीय महिला टीम ने रचा इतिहास, एकदिवसीय क्रिकेट में बनाया अपना सबसे बड़ा स्कोर

राजकोट

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आयरलैंड के खिलाफ राजकोट में खेले जा रहे तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में इतिहास रच दिया है। भारतीय महिला टीम ने पहली बार एकदिवसीय क्रिकेट में 400 रनों का आंकड़ा पार किया है। मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय महिला टीम ने 50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 435 रनों का विशाल स्कोर बनाया। यह भारतीय महिला टीम का एकदिवसीय में सर्वोच्च स्कोर है। ओवरऑल महिला एकदिवसीय में यह चौथा सर्वोच्च स्कोर है। महिला एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे बड़ा स्कोर बनाने का रकॉर्ड न्यूजीलैंड महिला टीम के नाम है। यह रकॉर्ड उसने आयरलैंड के खलिाफ ही साल 2018 में बनाया था। न्यूजीलैंड महिला टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 491 रन बनाए थे।

12 जनवरी को आयरलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम ने 370 रन बनाए थे जो कि टीम का एकदिवसीय में सबसे बड़ा स्कोर था लेकिन तीसरे मैच में टीम ने ये रिकॉर्ड तोड़ डाला। भारतीय महिला टीम को इस एतिहासिक स्कोर तक पहुंचाने में सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल का अहम योगदान रहा। प्रतिका ने जहां 129 गेंदों में 154 रनों की पारी खेली, वहीं मंधाना ने महज 80 गेंदों में 135 रन बनाए।

आयरलैंड के खिलाफ इस सीरीज में हरमनप्रीत कौर की जगह कप्तानी कर रहीं मंधाना ने मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। भारतीय महिला टीम को सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल और कप्तान स्मृति मंधाना ने दमदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में ही टीम का स्कोर 150 के पार पहुंचा दिया। इसके बाद मंधाना ने एकदिवसीय में अपना 10वां शतक जड़ दिया। मंधाना ने महज 70 गेंदों में शतक लगाया जो भारत के लिए महिला क्रिकेट में किसी बल्लेबाज द्वारा लगाया सबसे तेज शतक है। मंधाना ने इस मामले में हरमनप्रीत कौर को पीछे छोड़ा। उन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका महिला टीम के खिलाफ 87 गेंदों पर शतक जमाया था। मंधाना 80 गेंदों में 12 चौके और सात छक्कों की मदद से 135 रन बनाकर आउट हुईं। मंधाना और प्रतिका के बीच पहले विकेट के लिए 233 रनों की साझेदारी हुई।

मंधाना के बाद प्रतिका ने एकदिवसीय क्रिकेट में अपना पहला शतक जड़ा। उनका साथ विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने दिया। ऋचा ने 42 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से ताबड़तोड़ 59 रन बनाए। ऋचा के बाद भारतीय टीम का तीसरा विकेट प्रतिका के रूप में गिरा। उन्होंने 129 गेंदों पर 20 चौके और एक छक्के की मदद से 154 रन की यादगार पारी खेली। इनके अलावा तेजल हसबनिस ने 28 रन और हरलीन देओल ने 15 रन बनाए। दीप्ति शर्मा 11 रन और जेमिमा रोड्रिग्ज चार बनाकर नाबाद रहीं। इस तरह भारतीय टीम ने पांच विकेट पर 435 रन बनाए।

आयरलैंड की ओर से ओरला प्रेंडरगास्ट ने दो विकेट, जबकि आरलेने केली, फ्रेया सरगेंट और जॉर्जिना डेंपसे को एक-एक विकेट मिला। उल्लेखनीय है कि तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भारतीय टीम 2-0 से आगे है।

भारत की नंबर 1 महिला शतरंज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी की नॉर्वे शतरंज महिला 2025 में वापसी

स्टवांगर, (नॉर्वे)

भारत की शीर्ष महिला शतरंज खिलाड़ी और विश्व में क्लासिकल शतरंज में छठे स्थान पर काबिज कोनेरू हम्पी प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज महिला 2025 टूर्नामेंट में वापसी कर रही हैं। टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी ने प्रशंसकों और विशेषज्ञों का ध्यान खींचा है।

हम्पी का शतरंज करियर उनकी असाधारण उपलब्धियों से भरा है। वह 2002 में ग्रैंडमास्टर खिताब हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उनकी अन्य बड़ी उपलब्धियों में 2019 और 2024 में विश्व रैपिड चैम्पियनशिप खिताब जीतना शामिल है। 2020 में, उन्हें बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया था। उन्होंने ओलंपियाड, एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में भी भारत का नाम रोशन किया है।

नॉर्वे शतरंज महिला 2025 हम्पी के लिए अपने कौशल और क्षमता का प्रदर्शन करने का एक और बड़ा मंच होगा। 2600 रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाली दुनिया की दो महिला खिलाड़ियों में से एक के रूप में, उन्होंने शतरंज में असाधारण मानक स्थापित किए हैं।

हम्पी ने टूर्नामेंट के प्रति अपने उत्साह को साझा करते हुए कहा, प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट में खेलना मेरे लिए गर्व की बात है।

टूर्नामेंट के निदेशक केजेल मैडलैंड ने हम्पी की वापसी पर कहा, हम्पी की उपलब्धियां शतरंज जगत में एक प्रेरणा हैं। हम नॉर्वे शतरंज महिला 2025 में उनका स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं।

उनकी भागीदारी न केवल भारत बल्कि दुनिया भर के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या इस बार भी हम्पी अपने शानदार प्रदर्शन से खिताब हासिल कर पाती हैं।

एफए कप फुटबॉल

नौटिंघम में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए नौटिंघम फोरेस्ट और लीवरपूल की टीमें।

वीजा देरी के कारण अबू धाबी में इंग्लिश टीम के प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा नहीं ले पाएंगे साकिब महमूद

नई दिल्ली

इंग्लैंड के भारत दौरे से पहले, इंग्लिश तेज गेंदबाज साकिब महमूद वीजा देरी के कारण अबू धाबी में अपनी टीम के प्रशिक्षण शिविर से चूक जाएंगे। साकिब को इंग्लैंड की वनडे और टी20 दोनों टीमों में शामिल किया गया है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को उम्मीद है कि 22 जनवरी को सीरीज के अपने पहले टी20 मैच के लिए पूरी टीम के कोलकाता जाने से पहले वीजा की समस्या का समाधान हो जाएगा। पाकिस्तानी मूल के अंग्रेजी खिलाड़ियों के लिए वीजा में देरी एक परिचित समस्या है।

इससे पहले 2024 में, इंग्लैंड के स्पिनर शोएब बशीर को वीजा मिलने में देरी के कारण हैदराबाद में भारत के खिलाफ इंग्लैंड के पहले टेस्ट मैच से बाहर कर दिया गया था।

ईसीबी ने दिसंबर 2024 को भारत के व्हाइट-बॉल दौरे के लिए टीमों की घोषणा की, जिसमें तीन वनडे, पांच टी20 और आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 शामिल है। पांच मैचों की टी-20 सीरीज 22 जनवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होगी। दूसरा मैच 25 जनवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। तीसरा मैच 28 जनवरी को राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेला जाएगा। चौथा और पांचवां मैच क्रमशः 31 जनवरी और 2 फरवरी को पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

वनडे सीरीज 6 फरवरी को नागपुर के वीसीए स्टेडियम में शुरू होगी। दूसरा वनडे 9 फरवरी को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि अंतिम मैच 12 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा।

इंग्लैंड की टीम इस प्रकार है-

वनडे टीमः जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

टी20 टीम : जोस बटलर (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

चेन्नइयन एफसी पर लीग डबल पूरा करना मोहम्मडन स्पोर्टिंग का लक्ष्य

कोलकाता

मोहम्मडन एससी की टीम बुधवार शाम अपने घरेलू मैदान किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में चेन्नइयन एफसी की मेजबान करेगी, तो उसका लक्ष्य अपना पहला लीग डबल हासिल करना होगा जबकि मरीना माचान्स किसी नई-नवेली टीम के हाथों ऐसी शर्मनाक स्थिति से बचना चाहेंगे।

मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने अपने पिछले तीन मैचों (1 जीत, 2 ड्रा) में अपराजित रहकर रक्षात्मक मजबूती दिखाई है, जिसमें उनकी पिछले अवे मैच में बेंगलुरू एफसी पर 1-0 की जीत भी शामिल है। वहीं, चेन्नइयन एफसी घर से बाहर अपने पिछले तीन मैच बिना गोल किए हारी है।

मोहम्मडन एससी 15 मैचों में दो जीत, चार ड्रा और नौ हार से 10 अंक लेकर तालिका में 12वें स्थान पर है। वहीं, चेन्नइयन एफसी 15 मैचों में चार जीत, चार ड्रा और सात हार से 16 अंक लेकर तालिका में 10वें स्थान पर है।

मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने इस सीजन में हैडर के जरिये छह गोल खाए हैं, जो संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं। चार हैडर से गोल करने वाली चेन्नइयन एफसी

मेजबान टीम की इस कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेगी।

मोहम्मडन (26) ने चेन्नइयन एफसी (22) की तुलना में ज्यादा बड़े मौके बनाए हैं, लेकिन उसकी 19.2त की रूपांतरण दर लीग में सबसे कम है।

चेन्नइयन एफसी अपने पिछले तीन अवे मैचों में गोल करने में विफल रही है। लाडिनपुइया प्रति मैच 6.2 बार कब्जा फिर हासिल करते हैं, अब तक 21 टैकल किए हैं और 77त सटीकता के साथ प्रति मैच 32 पास किए हैं।

रूसी हेड कोच आंद्रेई चेर्निशोव ने ब्लैक पैंथर्स को अपनी क्षमताओं पर भरोसा बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा, मैं इन खिलाड़ियों के साथ काम करके काफी खुश हूं। जीत ने हमारे अंदर सकारात्मकता पैदा की है। मैं अपने खिलाड़ियों से खुद पर यकीन करने के लिए कहता रहता हूं।

मरीना माचान्स के स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल ने अपनी टीम से रक्षात्मक रूप से अधिक अनुशासित रहने को कहा।

उन्होंने कहा, हम अभी भी सामान्य खेल रहे हैं। हमें अपना स्तर वापस पाने की कोशिश करनी होगी। हमें डिफेंस में कड़ी मेहनत करनी होगी और अगर हम ऐसा करते हैं, तो हम मैच जीतना शुरू कर देंगे।

बता दें कि आईएसएल में दोनों टीमों के बीच एक मुकाबला हुआ है, जिसमें मोहम्मडन स्पोर्टिंग पहली जीत का स्वाद चखा था। मोहम्मडन एससी ने चेन्नइयन एफसी को 1-0 से हराया था।

घर संसार

इसलिए हिट है फ्यूजन डिजाइन ज्वेलरी

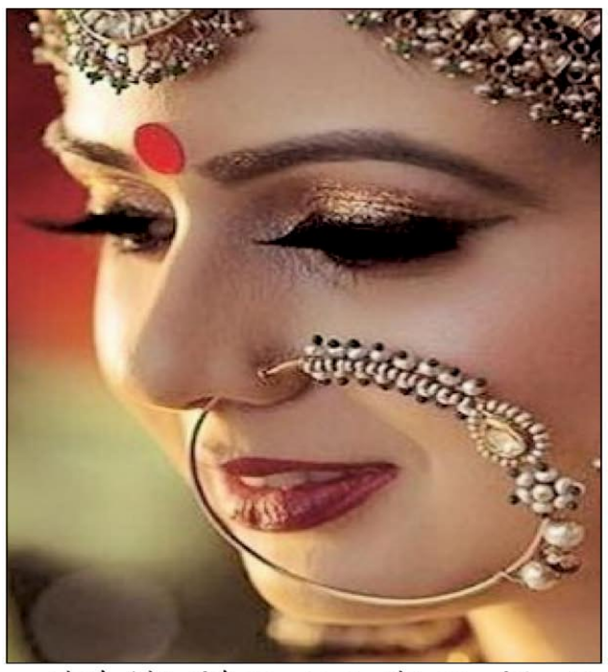

पके सौंदर्य के साथी हैं आभूषण, पर वक्त के साथ उनकी डिजाइंस में नजर आ रही है बदलाव की दस्तक। बात अगर ब्राइडल ज्वेलरी की करें तो इन दिनों फ्यूजन ज्वेलरी युवतियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है। ज्वेलरी निर्माण के दो या अधिक बिल्कुल अलग स्टाइल के मेल से बनी यह ज्वेलरी कई मायनों में खास है।

क्लासिक व मॉडर्न का मेल: एक दौर था जब पारंपरिक डिजाइंस में सोने के आभूषण अधिक पसंद किए जाते थे। उसके बाद सोने में कुंदन और अनकट डायमंड, अन्य प्रेश्यस व सेमी प्रेश्यस स्टोन से तैयार जड़ाऊ ज्वेलरी का फैशन बड़ा। डायमंड, प्रेशस व सेमी प्रेशस स्टोन स्टडेड ज्वेलरी है मॉर्डन स्टाइल। अब इन तीनों का फ्यूजन मिलकर दे रहा है ब्राइडल ज्वेलरी को क्लासिक एंड मॉडर्न अपील। किसी भी एक जूलरी पीस में जब जड़ाऊ कुंदन और फाइन फिनिश के डायमंड्स, प्रेशस, सेमी प्रेशस स्टोन्स एक साथ हों तो यह बनती है बेमिसाल फ्यूजन डिजाइन।

इंटरनेशनल डिजाइंस का फ्यूजन: इंटरनेट व सेटेलाइट कम्युनिकेशन के जमाने में जब पूरी दुनिया आपस में जुड़ चुकी है तो उसका असर हमारी चॉइस पर पड़ना भी लाजमी है। इस क्रम में मिस्र और रोमन जैसी प्राचीन सभ्यताओं की खास जूलरी मेकिंग आर्ट का फ्यूजन भी युवतियों को खूब लुभा रहा है। सॉलिड गोल्ड की इजिप्शियन डिजाइन के साथ पर्ल और डायमंड को पिरोना इसका ही एक उदाहरण है।

हर आउटफिट के संग परफेक्ट मैच: आजकल शादी की खरीददारी करते समय युवतियां चाहती हैं कि उनकी ज्वेलरी कुछ ऐसी हो, जो न सिर्फ दुल्हन के पारंपरिक परिधान के साथ भरपूर मैच करे, बल्कि जिसे वह बाद में अन्य मौकों पर भी डिफरेंट आउटफिट्स और एलीगेंस के साथ कैरी कर सके। मॉडर्न और ट्रेडीशनल स्टाइल की फ्यूजन इस लिहाज से एकदम परफेक्ट है। गोल्ड में सेट इस ज्वेलरी का पारंपरिक अंदाज साड़ी व लहंगे जैसे परिधानों के साथ जंचता है, वहीं उसमें स्टडेड डायमंड्स, प्रेशस व सेमी प्रेशस स्टोन्स उसे मॉर्डन लुक देने के साथ ही वेस्टर्न वेयर के साथ पहनने के लिए उपयुक्त पीस बनाते हैं।

इसका फैशन रहेगा सदा: आजकल युवतियां मल्टीटास्कर हैं। गोल्ड में कुंदन, पोलकी, फ्लोरल पैटर्न में मीनाकारी और फाइन फिनिश वाले डायमंड्स को एक साथ पिरोती फ्यूजन ज्वेलरी उनके इस बोल्ड एंड ब्यूटीफुल अंदाज को भी बयां करती है। इसके साथ ही इसमें समाया है मॉडर्न व ट्रेडीशनल डिजाइन का ऐसा अनूठा आकर्षण, जिसकी वजह से इसका फैशन कभी आउट होने की भी कोई गुंजाइश नहीं है।

कौन से पीस हैं लोकप्रिय: फ्यूजन ज्वेलरी पीस के रूप में सबसे अधिक लोकप्रिय हैं चौड़े ब्रेसलेट, बड़े पेंडेंट, ओवरसाइज ईयरिंग्स इत्यादि। ब्रॉड डिजाइंस में विभिन्न स्टाइल को बेहतरीन तरीके से एक साथ प्रस्तुत करने की गुंजाइश रहती है। फ्यूजन ज्वेलरी की लोकप्रियता ने ज्वेलरी डिजाइनर्स की कल्पना और रचनात्मकता को नए आयाम दिए हैं। गोल्ड में तैयार टेंपल जूलरी की डिजाइन पारंपरिक है, पर अब उसमें भी रूबी, डायमंड और पर्ल का फ्यूजन पसंद किया जा रहा है। इस तरह टेंपल ज्वेलरी में भी नजर आने लगा है मॉडर्न और ट्रेडीशनल का मिला-जुला व अनूठा आकर्षण है।

घर पर करें ये बॉडी स्पा, पाएं स्वस्थ स्किन

आज की व्यस्त जीवनशैली में स्त्रियां अपने शरीर पर ठीक से ध्यान नहीं दे पातीं। इसके कारण उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं, बढ़ते प्रदूषण के कारण भी शरीर पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए अगर आप खुद को तरोताजा और अपनी त्वचा को हमेशा दमकाना चाहती हैं, तो स्पा एक बेहतर ऑप्शन है।

क्या होता है खास

स्पॉ ट्रीटमेंट की शुरुआत सिर पर तेल डालकर की जाती है। इससे त्वचा डिटॉक्स किया जाता है। उसके बाद विभिन्न प्रकार के फूलों, वनस्पतियों से तैयार पैक लगाकर मालिश की जाती है। मसाज के बाद कुछ मिनटों के लिए स्टीम बाथ टब में बैठाया जाता है। स्पा थेरेपी की पूरी प्रक्रिया में 30 से 40 मिनट का समय लगता है।

बॉडी स्पॉन्ज

घर पर बॉडी स्पा करना हो तो पहले बाथ टब में गुनगुना पानी भर लें और उसमें शॉवर जेल और दो चम्मच सी-सॉल्ट मिलाएं। इसके बाद पूरे शरीर पर एरोमेटिक ऑयल से लगभग 15-20 मिनट तक मसाज करें या एक कटोरी दही में एक चम्मच सी-सॉल्ट मिलाकर त्वचा पर हल्के हाथों से मलें। फिर बाथ टब में आराम से 30 मिनट तक बैठ जाएं। इससे मृत त्वचा निकल जाएगी और शरीर की स्ट्रेस व थकान दूर होगी।

चॉकलेट स्पा

डार्क चॉकलेट, मिल्क चॉकलेट, वनीला, कोको आदि फ्लेवर की आपने चॉकलेट जरूर खाई होंगी। लेकिन इससे अच्छा स्पा ट्रीटमेंट भी होता है। डार्क और कोको चॉकलेट से मसाज करने के बहुत फायदे होते हैं। चॉकलेट की खुशबू से डिप्रेशन दूर हो जाता है। चॉकलेट थेरेपी से झुर्रियां, चेहरे के दाग-धब्बे व झाइयां आदि भी गायब हो जाती हैं। चेहरे पर निखार आ जाता है। इससे फैट बर्न भी होता है, जो सेल्यूलाइट को खत्म करने में मदद करता है। चॉकलेट एंटी एजिंग होती है। इसलिए इस थेरेपी के बाद त्वचा कोमल हो जाती है।

अरोमा थैरेपी

सर्दियों में अरोमा थेरेपी सबसे ज्यादा अच्छी रहती है। इसमें अरोमा ऑयल से मसाज किया जाता है। इसके साथ ही स्टीम बाथ कराया जाता है। साथ ही आमंड ऑयल व हॉट ऑयल मसाज के साथ बॉडी पॉलिशिंग की भी काफी मांग रहती है।

ये खाएंगे तो दिल देगा दुआएं

बढ़ती उम्र के बावजूद अपने दिल को जवां बनाए रख सकते हैं और इसके लिए सिर्फ खान-पान पर ध्यान देने की जरूरत है। कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें खाने में शामिल कर दिल को दिल को स्वस्थ रखकर इससे जुड़ी बीमारियों से भी बच सकते हैं...

बादाम खाने से हृदय की रक्त वाहिकाएं स्वस्थ रहती हैं। बादाम खाने से रक्त में एंटीऑक्सिडेंट की मात्रा में उल्लेखनीय रूप से बढ़ोत्तरी होती है, जिसके कारण रक्तचाप बढ़ता है और रक्त प्रवाह में सुधार होता है।

हर रोज अखरोट खाने से भी सेहत को नुकसान पहुंचाने वाले कोलेस्ट्रॉल में कमी आती है। अखरोट में कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व जैसे अनसैचुरेटेड फैट, प्रोटीन और लवणों की पर्याप्त मात्रा होती है।

दूध की जगह सोया दूध और पनीर की जगह खाने में टोफू का उपयोग कर सकते हैं। इनमें भी प्रोटीन के अतिरिक्त ओमेगा-3 फैटी एसिड और कैल्शियम प्रचूर मात्रा में पाए जाते हैं।

ओट्स का सेवन दिल के लिए काफी फायदेमंद होता है। ओट्स में खूब फाइबर मौजूद होता है, जो दिल के लिए बहुत अच्छा होता है यही नहीं यह दूसरी बीमारियों से भी बचाता है। इससे शुगर लेवल कम रहता है।

अनार विटामिन, C, E फॉलिक एसिड और एंटीऑक्सिडेंट का प्रधान स्रोत होता है। अनार का रस मूल रूप से दिल की बीमारी से खतरे को रोकने में मदद करता है। एक ग?लास अनार का रस ब्लड शुगर को उन्नत करने के साथ ब्लड-प्रेशर को कम करता है। वहीं अनार का रस पीने से बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर घटने के साथ-साथ धमनियों में रक्त का थक्का बनने की प्रकिया को भी रोकता है। इस तरह अनार दिल को सभी प्रकार के खतरों से बचाने में मदद करता है। अनार फाइटो न्यूट्रीअन्ट से भरपूर होता है जिसके कारण शक्तिशाली एन्टी ऑक्सिडेन्ट होता है।

ब्राउन राइस भी दिल की सेहत ठीक रखने के लिए ठीक है। कोलेस्ट्रॉल आपकी धमनियों को ब्लॉक करता है और दिल की बीमारियों का कारण बनता है। ब्राउन राइस के ब्रैन यानि चोकर में अनसैचुरेटेड ऑइल्सी होता है, जो कि कोलेस्ट्रॉल को कम करने में काम आता है।

रिलेशन

अगर रिश्ते में ये गलतियां कर रहे हैं तो जल्दी संभल जाइए

यूं तो प्यार का रिश्ता बेहद खूबसूरत होता है, लेकिन उसके टूटने का दर्द उतना ही कड़वा। आमतौर पर लोग अपने रिश्तों में ऐसी छोटी-छोटी गलतियां करते हैं, जिसके कारण उनका रिश्ता टूटने की कगार तक जा पहुंचता है। अगर आप भी अब अपने रिश्ते में तनाव या परेशानी महसूस कर रहे हैं तो हो सकता है कि यह आपकी उन्हीं गलतियों का परिणाम हो। इसलिए ऐसी कोई भी गलती करने से बचें, जो आपके रिश्ते में दरार पैदा कर सकती हो। भले ही आप बाद में सब कुछ ठीक कर दें लेकिन मन में एक टीस हमेशा रह जाती है। वैसे भी कहते हैं न कि प्रिवेंशन इस बेटर देन क्योर अर्थात् इलाज से बेहतर है रोकथाम।

आपा खो देना

भले ही आपको अपने पार्टनर के सामने हर फीलिंग शेयर करने की इजाजत हो, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने लगें। अगर आपके पार्टनर ने गलती की है तो भी आप आपा खोने की बजाय उन्हें प्यार से समझा सकते हैं। बार-बार गुस्सा करने से आपके पार्टनर के मन में आपके लिए सम्मान व प्रेम दोनों कम होने लगता है। जिससे वह भी आपकी परवाह करना धीरे-धीरे कम कर देते हैं।

कम्युनिकेशन में कमी

दुनिया में किसी भी समस्या को बातचीत के जरिए आसानी से सुलझाया जा सकता है। वहीं कम्युनिकेशन गैप एक स्ट्रांग रिलेशन को भी कमजोर बना देता है। कम्युनिकेशन में कमी के कारण न तो आप दोनों एक-दूसरे को अपने मन की बात समझा पाते हैं और न ही आपके बीच की गलतफहमियां दूर हो पाती हैं। ऐसे में रिश्ते में दूरियां आना स्वाभाविक है।

बढ़ाएं नहीं लड़ाइयां

अगर आप दोनों के बीच किसी बात को लेकर मनमुटाव हो भी गया है तो उसे जल्द से जल्द सुलझाने का प्रयास करें। आपके बीच की लड़ाई रात को सोने से पहले खत्म हो जानी चाहिए। अगर आपको लगता है कि गलती आपसे हुई है तो माफी मांगने में बिल्कुल भी देर न करें। आपके सिर्फ एक सॉरी कह देने से सारी समस्या खुद-ब-खुद खत्म हो जाएगी।

पार्टनर से सीक्रेट

जीवनसाथी से हर बात गुप्त रखने की कोशिश न करें। अगर आप ऐसा करेंगे तो आपका पार्टनर समझेगा कि शायद आप उन पर भरोसा नहीं करते या फिर आपके लिए उनकी कोई अहमियत नहीं है। इस तरह के विचार आपके रिश्ते के लिए ठीक नहीं हैं। इसके अतिरिक्त अगर आप उनसे कोई बात गुप्त रखते हैं और उन्हें वही बात किसी दूसरे से पता चलेगी तो इससे न सिर्फ उन्हें दुख होगा, बल्कि यह आपके बीच झगड़े की वजह भी बन सकता है। इसलिए कोशिश करें कि आप उनसे हर बात शेयर करें। अगर आप कोई बात उनसे शेयर नहीं कर सकते तो समय आने पर उन्हें अवश्य बताएं।

मन मर्जी नहीं

अक्सर लोग रिश्ते में सिर्फ अपनी मर्जी ही चलाते हैं। उन्हें लगता है कि उनका पार्टनर हर काम उनके मनमुताबिक ही करे। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो आप अपने रिश्ते को गर्त में ले जा रहे हैं। याद रखें कि रिश्ता हमेशा दो लोगों से बनता है, इसलिए उस रिश्ते में दोनों की इच्छाएं, खुशियां व मर्जी शामिल होनी चाहिए, तभी वास्तव में वह रिश्ता महकेगा। अगर आप अपने पार्टनर को अपने मनमुताबिक चलाने का प्रयास करेंगे तो यह सिर्फ और सिर्फ आपके रिश्ते में लड़ाई और खटास पैदा करेगा।

होटल के कमरे को इस तरह जाँचें

ताकि निजी पल कैमरे में ना आ सकें

आज शहर में हर तरह के लोग हैं, आपको कब, कहां, कौन ठग ले आप समझ भी नहीं पाओगे। इसलिए जरूरी है कि आप जो भी करें वो सावधानी पूर्वक करें। यही सावधानी आप अपनी प्राइवेसी के लिए भी बरतें अगर आप कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो बिना होटल के तो काम चलेगा नहीं। होटल में भी आपके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

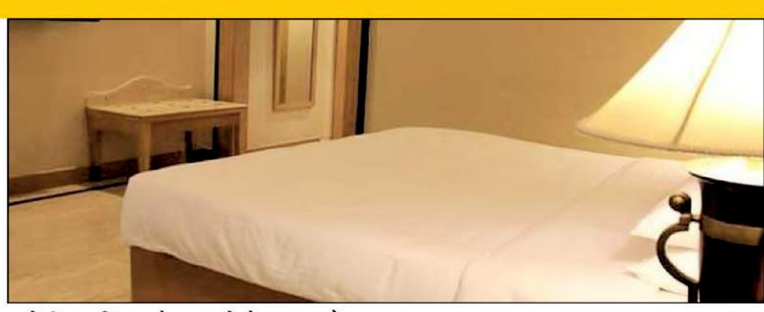

रेड लाइट एलर्ट

होटल रूम में रुकने से पहले चेक करें कहीं रेड लाइट तो नहीं जल रही है। आप जब रूम में जाएं तो सभी लाइट्स बंद करके पूरे रूम की ठीक से जांच-परख कर लें कि कहीं कोई रेड लाइट या फिर कोई ग्रीन लाइट तो नहीं जल रही है।

हैंडल या हुक में छुपा कैमरा

कैमरा दरवाजे के हैंडल या हुक में भी हो सकता है। ट्रायल रूम में इस बात का ध्यान रखें कि कहीं रूम के दरवाजे के हुक या हैंडल में कोई कैमरा तो नहीं छुपा।

माइक्रोफोन / हिडन कैमरा

जिस होटल रूम में आप रुक रहे हैं वहां कैमरा के साथ माइक्रोफोन भी हो सकता है। कमरे में अगर कोई आवाज आ रही है तो ध्यान लगाकर सुनें क्योंकि हिडन कैमरा में कुछ मोशन सेंसिटिव होते हैं जो खुद ब खुद ऑन हो जाते हैं।

ऊंगली रख कर जाचें

होटल रूम या ट्रायल रूम के शीशे में कोई कैमरा छिपा तो नहीं इसका पता लगाने के लिए सबसे पहले शीशे में एक ऊंगली रखें। अगर शीशे में रखी ऊंगली और शीशे में दिख रही उंगली के बीच में अंतर या गैप रहता है तो समझ लें कि शीशा ओरिजनल है। अगर आपकी ऊंगली जुड़ी रहती है तो यानि शीशे के पीछे आपका सब कुछ दिख रहा है और संभवतः वहां कैमरा है जोकि सब रिकॉर्ड कर रहा है।

कैम डिटेक्टर

होटल रूम में हिडन कैमरा चेक करने के लिए आप हिडन कैम डिटेक्टर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। हिडन कैम डिटेक्टर आपके लिए बहुत उपयोगी है क्योंकि ये डिटेक्टर कहीं भी छिपे हुए कैमरा को खोज लेते हैं। ऐसे में आपके प्राईवेट पल आपसे कोई और नहीं छीन सकता है।

फोटो क्लिक एलर्ट

जिस होटल रूम में आप रूके हैं उसे ठीक से चेक कर लें। अगर कमरे के दरवाजे में नीचे की ओर थोड़ा स्पेस है तो ध्यान रखें कि कहीं कोई नीचे से आपकी फोटो तो नहीं खींच रहा या फिर वीडियो रिकॉर्डिंग तो नहीं बनाई जा रही।

इन घरेलू उपायों से सर्दी यूं हो जाएगी गुम

यूं तो सर्दी-जुकाम कोई गंभीर बीमारी नहीं है लेकिन यह देखा जाता है कि इस बीमारी में दवाईयों का असर भी कम होता है। इसके लिए सबसे अच्छा होता है घरेलू यानी देसी नुस्खे का इस्तेमाल। घर में बनाए जाने वाले इन देसी नुस्खों से आप आसानी से सर्दी जुकाम को काबू में कर अपना इलाज कर सकते है।

दूध और हल्दी: गर्म पानी या फिर गर्म दूध में एक चम्मच हल्दी मिलाकर पीने से सर्दी जुकाम में तेजी से फायदा होता है। यह नुस्खा ना सिर्फ बच्चों बल्कि बड़ों के लिए भी कारगर साबित होता है। हल्दी एंटी वायरल और एंटी बैक्टेरियल होता है जो सर्दी जुकाम से लड़ने में काफी मददगार होता है।

अदरख की चाय: अदरख के यूं तो कई फायदे है लेकिन अदरख की चाय से सर्दी-जुकाम में बहुत राहत मिलती है। सर्दी-जुकाम या फिर फ्लू के लक्षण में ताजा अदरख को बिल्कुल बारीक कर ले और उसमें एक कप गरम पानी या दूध मिलाए। उसे कुछ देर तक उबलने के बाद पीए। यह नुस्खा आपको सर्दी जुकाम से राहत पाने में तेजी से मदद करता है।

नींबू और शहद: नींबू और शहद के इस्तेमाल से सर्दी और जुकाम में फायदा होता है। दो चम्मच शहद में एक चम्मच नींबू का रस एक ग्लास गुनगुने पानी या फिर गर्म दूध में मिलाकर पीने से इसमें काफी लाभ होता है।

लहसुन: लहसुन सर्दी-जुकाम से लड़ने में काफी मददगार होता है। लहसुन में एलिसिन नामक एक रसायन होता है जो एंडी बैक्टेरियल, एंटी वायरल और एंटी फंगल होता है। लहसुन की पांच कलियों को घी में भुनकर खाए। ऐसा एक दो बार करने से जुकाम में आराम मिल जाता है। सर्दी जुकाम के संक्रमण को लहसुन तेजी से दूर करता है।

तुलसी पत्ता और अदरक : और अदरक को सर्दी-जुकाम के लिए रामबाण माना जाता है। इसके सेवन से इसमें तुरंत राहत मिलती है। एक कप गर्म पानी में तुलसी की पांच-सात पत्तियां ले। उसमें अदरक के एक टुकड़े को भी डाल दे। उसे कुछ देर तक उबलने दे और उसका काढ़ा बना ले। जब पानी बिल्कुल आधा रह जाए तो इसे धीरे-धीरे पी ले।

रेसिपी

रूमाली रोटी

सामग्री

1 कप गेहूं का आटा
2 1/2 कप मैदा
2 चुटकी बेकिंग सोडा
मैदा (बेलने के लिए)
दूध (गूंथने के लिए)
तेल (जरूरत के हिसाब से)

विधि सबसे पहले एक बाउल में आटा, मैदा, नमक और एक चम्मच तेल या घी डालकर मिलाएं। उसके बाद थोड़ा-थोड़ा पानी मिलाकर नरम आटा गूथ लें। अब आटे को गीले कपड़े में ढककर 15 से 20 मिनट तक रख दें। अब आटे से छोटी-छोटी लोई बना लें और फिर तवे को गरम करें। अब आटे की लोई लेकर उसे पूड़ी की तरह बेलकर एक पर घी या तेल लगाएं। इसके ऊपर मैदा छिड़क दीजिए अब दूसरी पूड़ी को उसके ऊपर रखकर हल्का सा दबा कर रोटी बेल लीजिए। अब इस रोटी को तवे पर रखकर तेज आंच पर ही दोनों ओर से सेक लें। रोटी सेकने के बाद तवे पर से रोटी निकाल कर दोनों रोटी को अलग करे और इसी तरह से सारी रोटी बना लें। बस आपकी गरमा-गरम रोटी तैयार है।

पनीर पराठा

सामग्री

पनीर- 220 ग्राम, हरी मिर्च- 1 टेबलस्पून, धनिया- 2 टेबलस्पून, अजवाइन- 1/2 टीस्पून, गरम मसाला- 1/2 टीस्पून, नमक-1/2 टीस्पून, (आटे के लिए), मैदा- 120 ग्राम, नमक-1/2 टीस्पून, तेल- 1 टीस्पून, पानी- 100 मि.ली, घी

विधि एक बाउल में पनीर, हरीमिर्च, धनिया, अजवाइन, गरम मसाला और नमक डालकर अच्छे से मिक्स करके साइड पर रख दें। (आटे के लिए) एक बाउल में मैदा, नमक, तेल और पानी डालकर अच्छे से मिलाएं और आटा गूंध लें। सबसे पहले थोड़ा-सा आटा लेकर मीडियम साइज बॉल बना लें। अब इसे रोटी की तरह बेल लें। फिर इस पर थोड़ा सा तैयार किया पनीर का मिक्सर डालें और अच्छे से फैलाएं। इसके बार इसके किनारों को सील करें और फिर से इसे गोल आकार दें। इसपर थोड़ा सा सूखा आटा छिड़कें और रोटी की तरह बेल लें। पराठा तैयार है। पैन को गर्म करें। फिर इसपर पराठा रखें और मध्य आंच पर पकाएं। इसे पलटें और घी लगाएं। ऐसे ही पराठे की दूसरी तरफ घी लगाएं और अच्छे से सेकें। इसे तबतक सेकें जबतक इसका रंग हल्का ब्राउन न हो जाएं। पनीर पराठा तैयार है, इसे दही के साथ सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)